twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 06 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 151, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मोदी को मिला श्रीलंका का सर्वोच्च सम्मान

श्रीलंका के दिसानायके ने पीएम मोदी को सर्वोच्च गैर-नागरिक सम्मान श्रीलंका मित्र विभूषण से सम्मानित किया

कोलंबो
2019 के बाद पहली बार तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पीएम मोदी को सर्वोच्च गैर-नागरिक सम्मान श्रीलंका मित्र विभूषण से सम्मानित किया। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। पीएम मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति, सरकार और वहां के लोगों को धन्यवाद किया।

क्या है श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान
श्रीलंका मित्र विभूषण वहां का सर्वोच्च गैर-नागरिक सम्मान है। यह सम्मान विदेशी हस्तियों को दिया जाता है। श्रीलंका की सरकार इन पुरस्कारों को उन राष्ट्राध्यक्षों को देती है, जिनके श्रीलंका के साथ संबंध दोस्ताना होते हैं। पुरस्कार में एक रजत पदक और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। पदक को श्रीलंका के नवरत्नों से सजाया जाता है। इसमें चंद्रमा, सूर्य, पृथ्वी और कमल की पंखुड़िया बनी हैं। मेडल पर पुन कलसा बना होता है। यह चावल से भरा एक बर्तन होता है। इसे समृद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक माना जाता है। पदक पर बने सूर्य और चंद्रमा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों की शाश्वत प्रकृति को दर्शाते हैं। साल 2008 में श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने इस सम्मान की शुरूआत की थी।

श्रीलंका के साथ हुआ रक्षा सहयोग समझौता
शनिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और पीएम मोदी के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। दोनों देशों के बीच सात समझौते हुए। भारत और श्रीलंका के बीच रक्षा साझेदारी समझौते पर सहमति बनी।दोनों नेताओं ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन

दोनों देशों के बीच त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने पर भी समझौता हुआ। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति दिसानायके ने समपुर सौर ऊर्जा परियोजना का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। भारत और श्रीलंका ने श्रीलंका को बहु-क्षेत्रीय अनुदान सहायता पर भी सहमति जताई है। उधर, भारत, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की मौजूदगी में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए।

इंडिपेंडेंस स्क्वायर पर पीएम का भव्य स्वागत
प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायका के निमंत्रण पर 4 से 6 अप्रैल तक वहां की राजकीय यात्रा पर हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी का इंडिपेंडेंस स्क्वायर पर ऐतिहासिक औपचारिक स्वागत किया गया।

भारत-श्रीलंका के सुरक्षा हित समान: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत और श्रीलंका के सुरक्षा हित समान हैं। दोनों देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी है और एक-दूसरे पर निर्भर है। दोनों देश कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव और हिन्द महासागर में सुरक्षा सहयोग पर भी मिलकर काम करने के लिए सहमत हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ आज कोलंबो में द्विपक्षीय वार्ता की। इसके बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के

साथ संयुक्त वक्तव्य दिया। प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत ने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। दोनों नेता सहमत हैं कि मामले के मानवीय पहलू को आगे बढ़ाना चाहिए। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा किये जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर भी बल दिया।

प्रधानमंत्री ने आज हुई घोषणाओं और समझौतों का जिक्र करते हुए कहा कि सामपुर सोलर पावर प्लांट से श्रीलंका की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। मल्टी-प्रोडक्ट पाइपलाइन के निर्माण और त्रिंकोमाली को ऊर्जा हब के रूप में विकसित किए जाने के लिए जो समझौता हुआ है, उसका लाभ श्रीलंका के सभी लोगों को मिलेगा। दोनों देशों के बीच ग्रिड को जोड़े जाने के समझौते से श्रीलंका के लिए बिजली निर्यात करने के विकल्प खुलेंगे। उन्हें खुशी है कि आज श्रीलंका में धार्मिक स्थलों के लिए पाँच हजार सोलर रूफ टॉप सिस्टम का उद्घाटन किया जाएगा। श्रीलंका की यूनिक डिजिटल आइडेंटिटी प्रोजेक्ट में भी हम सहयोग करेंगे।

श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान के मेडल में क्या है खास

श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान में एक चांदी का मेडल होता है, जिसमें बना धर्म चक्र बौद्ध विरासत का प्रतीक है। इस बौद्ध विरासत ने भारत और श्रीलंका की सांस्कृतिक परंपराओं को आकार दिया है। मेडल में बना पुन कलश (एक औपचारिक बर्तन) समृद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक है। मेडल में बने नवरत्न दोनों देशों के बीच अमूल्य और स्थायी दोस्ती का प्रतिनिधित्व करते हैं। सूर्य और चंद्रमा प्राचीन अतीत से अनंत भविष्य तक फैले बंधन को दशार्ते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित होने के बाद कहा कि 'श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके द्वारा श्रीलंका मित्र विभूषण पुरस्कार से सम्मानित होना मेरे लिए नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए सम्मान की बात है। यह श्रीलंका और भारत के लोगों के बीच ऐतिहासिक संबंध और गहरी मित्रता को दशार्ता है और इसके लिए मैं राष्ट्रपति, श्रीलंका सरकार और यहां के लोगों को धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीनों में ही हमने 10 करोड़ डॉलर से अधिक राशि के ऋण को ग्रांट में बदला है। हमारे द्विपक्षीय डेट पुनर्गठन एग्रीमेंट से श्रीलंका के लोगों को तत्काल सहायता और राहत मिलेगी। आज हमने ब्याज की दर को भी कम करने का निर्णय लिया है। यह प्रतीक है कि आज भी भारत श्रीलंका के लोगों के साथ खड़ा है।

जमानत याचिका में आपराधिक इतिहास छिपाना धोखा: कोर्ट

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने लोगों द्वारा जमानत याचिका या जबरन कार्रवाई से सरंक्षण मांगते वक्त अपना आपराधिक इतिहास छिपाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में धोखा दिया गया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने कहा, एक बढ़ती प्रवृत्ति देखने को मिली है जिसमें इस अदालत से जमानत या गिरफ्तारी से सुरक्षा की रियायत मांगे जाने के दौरान विशेष अनुमति याचिकाओं में लोग अपने अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े होने की जानकारी नहीं देते। "नतीजा यह है कि देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते इसे धोखा दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में उदारता दिखाई है, लेकिन हमें लगता है कि अब वक्त आ गया है कि ऐसी स्थिति को आगे जारी रहने की अनुमति ना दी जाए।" जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ
इसके परिणामस्वरूप पीठ ने महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाने का दोषी करार देते हुए हत्या के आरोपित की जमानत याचिका खारिज कर दी।

शिवराज सिंह ने की किसान नेता डल्लेवाल से अनशन खत्म करने की अपील

नई दिल्ली
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से अनशन समाप्त करने की अपील की है। शिवराज सिंह ने कहा है कि किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पहले से तय तिथि के अनुसार हम 4 मई को बातचीत के लिए मिलेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री ने आज एक्स पर एक पोस्ट जारी कर कहा कि भारत सरकार के प्रतिनिधियों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच उनकी मांगों को लेकर चल रहा बातचीत का सिलसिला लगातार जारी है। शिवराज सिंह ने कहा, "किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल अब अस्पताल से वापस आ चुके हैं और हम उनके अतिशीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना करते हैं। साथ ही हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे अपना अनशन समाप्त करें और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पहले से तय तिथि के अनुसार हम 4 मई को सुबह 11 बजे बातचीत के लिए मिलेंगे।"

मणिपुर में शांति बहाली की कोशिश में जुटी केंद्र सरकार

नई दिल्ली
मणिपुर में शांति की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शनिवार को मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र सरकार ने बैठक की है। बैठक का उद्देश्य दोनों समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजना है। बैठक का फोकस मैतेई और कुकी के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना और मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति को बहाल करने के लिए रोडमैप तैयार करना है। बैठक में सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर अधिक जोर दिया।

बैठक में कौन-कौन था शामिल
मीटिंग में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन (एफओसीएस) के प्रतिनिधियों समेत 6 सदस्यीय मैतेई प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। कुकी प्रतिनिधिमंडल में 9 लोग शामिल थे। केंद्र सरकार के वातार्कारों में खुफिया ब्यूरो के सेवानिवृत्त विशेष निदेशक एके मिश्रा भी मौजूद रहे। लोकसभा में मणिपुर पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि गृह मंत्रालय ने पिछले दिनों मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की थी।

2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म कर देंगे: अमित शाह

दंतेवाड़ा
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दंतेवाड़ा में आयोजित राज्य सरकार के 'बस्तर पंडुम' उत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि नक्सली छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में आदिवासियों के विकास को रोक नहीं पाएंगे। शाह ने नक्सलियों से हथियार डालने का भी आग्रह किया। अमित शाह ने कहा कि जब वे मारे जाते हैं, तो कोई भी खुश नहीं होता। शाह ने दोहराया कि सरकार मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो लोग आत्मसमर्पण

करेंगे, वे मुख्यधारा का हिस्सा बन जाएंगे, जबकि बाकी को सुरक्षा बल जवाब देंगे। उन्होंने कहा, 'बस्तर में जब गोलियां चलती थीं और बम फटते थे, वे दिन अब खत्म हो गए हैं। मैं नक्सली भाइयों से आग्रह करता हूं कि वे हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हों। आप हमारे अपने हैं। जब कोई नक्सली मारा जाता है, तो कोई भी खुश नहीं होता। बस अपने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। आप हथियार उठाकर अपने आदिवासी भाइयों और बहनों के विकास को नहीं रोक सकते।' शाह ने कहा कि विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनने वाले आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों को केंद्र और राज्य सरकारों से पूरी सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा, 'इस क्षेत्र को विकास की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच साल में बस्तर को सबकुछ देना चाहते हैं। बस्तर ने 50 साल में विकास नहीं देखा है। हालांकि, यह तभी हो सकता है जब बच्चे स्कूल जाएं, तहसीलों में स्वास्थ्य सुविधाएं हों। हर किसी के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड और स्वास्थ्य बीमा हो।' शाह ने कहा, '2025 में अब तक कुल 521 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं, जबकि 2024 में 881 ने आत्मसमर्पण किया है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली
रक्षा मंत्री ने नौसेना बेस कारवार में शनिवार को समुद्री सुरक्षा स्थिति और भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता की समीक्षा की। इस साल के पहले नौसेना कमांडरों के सम्मेलन के प्रथम चरण के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कमांडरों से कहा कि भारत बदलती परिस्थितियों का आकलन करें और उसके अनुसार योजना, संसाधन और अभ्यास सुनिश्चित करे।

राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार में 2025 के पहले नौसेना कमांडरों के सम्मेलन के उद्घाटन चरण के दौरान समुद्री सुरक्षा स्थिति, भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता और भविष्य के दृष्टिकोण की समीक्षा की। रक्षा मंत्री ने नौसेना कमांडरों के साथ बातचीत की, जिसमें समकालीन सुरक्षा प्रतिमानों को संबोधित करने, नौसेना की लड़ाकू क्षमता को आगे बढ़ाने के लिए आगे का रास्ता तैयार करने और रणनीतिक, परिचालन और प्रशासनिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। उनके साथ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। कमांडरों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने, हर परिस्थिति में लोगों की अपेक्षाओं को पार करने और नई ऊर्जा और नवाचार के साथ राष्ट्र की सेवा के लिए निरंतर प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने में नौसेना के योगदान की सराहना की। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि वर्तमान अप्रत्याशित भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच सशस्त्र बलों की भविष्य की भूमिकाओं को फिर से परिभाषित करना आवश्यक है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर विपक्ष फैला रहा भ्रम: जगदंबिका

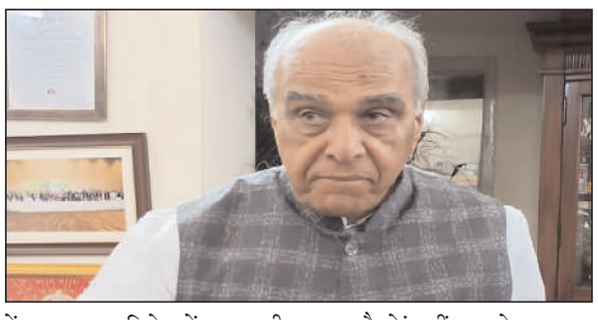

नई दिल्ली
वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्यसभा से पास हो गया है। इस पर लोकसभा में 12 घंटे और राज्यसभा में करीब 14 घंटे की चर्चा हुई। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही यह कानून बन जाएगा। विधेयक के संशोधनों पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने भी 118 घंटे से ज्यादा चर्चा की। जेपीसी के अध्यक्ष एवं भाजपा के लोकसभा सांसद जगदंबिका पाल ने बताया कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास

में बहुत कम विधेयकों पर इतनी लंबी चर्चा हुई है। जगदंबिका पाल ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा, "जेपीसी की हमने दिल्ली में 38 बैठकें कीं। इसके अलावा तमिलनाडु, तेलंगाना से लेकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार आदि राज्यों का दौरा कर वहां के स्टेक होल्डर्स, राज्य वक्फ बोर्डों, इस्लामिक स्कॉलरों, इस्लामिक संगठनों, न्यायविदों से घंटों चर्चा की। उनके सुझाव लिए गए। उनके सुझावों को रिपोर्ट में शामिल किया गया। यहां तक कि विपक्षी सदस्यों के कई सुझावों को भी रिपोर्ट में लिया गया। इसलिए विपक्ष के सभी आरोप निराधार हैं।" विपक्षी दल- कांग्रेस, एआईएमआईएम और राजद ने इस विधेयक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

प्रधानमंत्री रामनवमी पर देश को देंगे पहले वर्टिकल लिफ्ट पंबन रेलवे ब्रिज की सौगात

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट पंबन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यह वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज समुद्र के ऊपर से गुजरते हुए रामेश्वरम द्वीप को तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। यह पुल केवल दो स्थानों को जोड़ने का माध्यम ही नहीं, बल्कि नई तकनीक, आत्मनिर्भर भारत और तेज गति परिवहन का प्रतीक है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को नवनिर्मित पंबन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि पंबन ब्रिज रेलवे के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पुलों में से एक है।

यह समुद्री जल में बना पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज होगा और यह तमिल इतिहास, संस्कृति, प्राचीन तमिल सभ्यता और तमिल भाषा के लिए सबसे महान वास्तुशिल्प चमत्कारों में से एक है।

पिंजौर में 100 एकड़ में जल्द बनेगी फिल्म सिटी: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

गुरुग्राम में भी फिल्म सिटी के निर्माण को लेकर प्रक्रिया जारी

चंडीगढ़
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने फिल्म जगत को बढ़ावा देने और कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए 2 चरणों में फिल्म सिटी बनाने का निर्णय लिया है। पहले चरण में जिला पंचकूला के पिंजौर में 100 एकड़ में फिल्म सिटी बनाई जा रही है। इसके लिए जमीन निर्धारित की जा चुकी है और इस परियोजना के लिए कंसलटेंट लगाने की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही फिल्म सिटी का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। दूसरे चरण में

गुरुग्राम में फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए जमीन के चयन की प्रक्रिया जारी है। इससे सिनेमा जगत से जुड़े कलाकारों को न केवल फायदा बल्कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में सिने फाउंडेशन, हरियाणा (विश्व संवाद केन्द्र) तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने श्रेष्ठ फिल्मकारों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और विश्व संवाद केन्द्र को 21 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की। नायब सिंह सैनी ने फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों की मांगों पर आश्वासन देते हुए कहा कि दूरदर्शन पर हफ़्ते में एक बार हरियाणवी फि ल्म का प्रदर्शन करने के संबंध में प्रसार भारती के साथ बातचीत कर इसे शुरू करवाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (सुपवा) को हरियाणा के प्रत्येक विश्वविद्यालय में फि ल्म मेकिंग कोर्स शुरू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा, हर स्कूल में थिएटर एजुकेशन शुरू करने के लिए भी सुपवा शिक्षा विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में प्रयास करेगा। उन्होंने सिंगल स्क्रीन सिनेमा को पुनर्जीवित करने की मांग पर आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार ने क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए फिल्म प्रोमोशन बोर्ड बनाया हुआ है। यह बोर्ड कला एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में नीति निर्धारण का काम करेगा। उन्होंने कहा कि फि ल्म सब्सिडी के संबंध में सरकार की नीति के अनुसार आगामी 30 दिनों में लंबित पड़े सभी 5 आवेदनों की सब्सिडी का भुगतान कर दिया जाएगा। साथ ही सब्सिडी के लिए नए आवेदन भी मांगे जाएंगे।

हरियाणा की माटी में वीरता, कला और संस्कृति का अनमोल संगम
नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह फिल्म महोत्सव हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को समझाने और उसे प्रोत्साहित करने का सराहनीय प्रयास है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित अनेक नेताओं ने फिल्म अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर शोक जताया

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित तमाम नेताओं ने शुक्रवार को महान अभिनेता और फिल्म निर्माता मनोज कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया। फिल्मों में अपनी देशभक्तिपूर्ण भूमिकाओं के कारण भारत कुमार के नाम से विख्यात मनोज कुमार का आज 87 वर्ष की आयु में मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में निधन हो गया। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि महान अभिनेता और फिल्मकार मनोज कुमार के निधन से दुखी हूं। उन्होंने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है। अपने लंबे और प्रतिष्ठित करियर के दौरान वे अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते थे, जो भारत के योगदान और मूल्यों पर गर्व की भावना को बढ़ावा देती थीं। उन्होंने राष्ट्रीय नायकों, किसानों और सैनिकों के जिन प्रतिष्ठित चरित्रों को जीवंत किया, वे हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित रहेंगे। उनका सिनेमा राष्ट्रीय गौरव को जगाएगा और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। उपराष्ट्रपति ने अपने शोक संदेश में एक्स पर कहा

कि पद्मश्री और दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित और भारतीय सिनेमा के महान व्यक्तित्व मनोज कुमार के निधन से दुखी हूं। अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने लोकप्रिय संस्कृति में राष्ट्रवाद की भावना का संचार किया और भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने पर अमिट छाप छोड़ी। उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, महान अभिनेता और फिल्मकार श्री मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुःख हुआ। वे भारतीय सिनेमा के प्रतीक थे, जिन्हें ख़ास तौर पर उनकी देशभक्ति के जोश के लिए याद किया जाता था, जो उनकी फ़िल्मों में भी झलकता था। मनोज जी के कामों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को जगाया और वे पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रतिष्ठित अभिनेता मनोज कुमार के निधन से बहुत दुःख हुआ। उन्होंने अपनी असाधारण प्रतिभा से भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया और लोगों में देशभक्ति की भावना जगाकर उनके मन पर अमिट छाप छोड़ी। वे अपनी अमर विरासत में जीवित रहेंगे और फिल्म निर्माताओं की नई पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। मेरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिवार, मित्रों और लाखों प्रशंसकों के साथ हैं।

इसरो के ओसीएम-3 उपग्रह चित्रों से वनस्पति गतिशीलता के वैश्विक पैटर्न का पता चला

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के ओशन कलर मोनोटर-3 (ओसीएम-3) उपग्रह से प्राप्त छवियों ने अंतरिक्ष में वनस्पति गतिशीलता में वैश्विक पैटर्न का खुलासा किया है। इसरो ने बताया कि उपग्रह वैश्विक स्तर के वनस्पति पैटर्न को कैप्चर करने में अपरिहार्य हैं, जिससे वैज्ञानिकों को यह आकलन करने में मदद मिलती है कि जलवायु गतिशीलता, पर्यावरणीय परिवर्तनों और मानवीय गतिविधियों के जवाब में वनस्पति विकास कैसे बदलता है। नासा के एमडीआईएस ऑन टेरा और इसरो के ईओएस-06 ओसीएम-3 पेलोड जैसे उपकरण सामान्यीकृत अंतर वनस्पति सूचकांक (एनडीवीआई) प्राप्त करने के लिए दृश्यमान और निकट-अवरक्त क्षेत्रों में ऊर्जा को मापते हैं। यह सूचकांक यह समझने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है कि प्रकाश संश्लेषण किस तरह वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को बायोमास और मिट्टी में अलग करने में योगदान देता है, जो कार्बन चक्र पर अध्ययन का एक प्रमुख घटक है।

मोदी ने म्यांमार के शीर्ष नेता से मुलाकात कर भूकंप से हुई क्षति पर संवेदना व्यक्त की

एजेंसी

बैंकॉक/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के शीर्ष नेता सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की और भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर फिर से संवेदना व्यक्त की। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों पक्षों ने कनेक्टिविटी, क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत ऑपरेशन ब्रह्मा के माध्यम से भूकंप से तबाह म्यांमार की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास

कर रहा है। उन्होंने कहा 'बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की एवं हाल ही में आए भूकंप के मद्देनजर जान-माल की हानि पर एक बार फिर संवेदना व्यक्त की।' प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा 'भारत इस महत्वपूर्ण समय में म्यांमार के हमारे भाइयों और बहनों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। हमने भारत और म्यांमार के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा की, विशेष रूप से कनेक्टिविटी, क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य क्षेत्रों में।'

मोदी ने बंगलादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

बैंकॉक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज थाईलैंड के बैंकॉक में बंगलादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बंगलादेश में सेना समर्थित अंतरिम सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच पहली उच्चतम स्तरीय बैठक थी। द्विपक्षीय बैठक शुरू करने से पहले दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया।बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित इस बैठक में भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल शामिल हुए।

भारतीय स्टार्टअप स्वदेशी एआई बनाने पर दें ध्यान : अमिताभ कांत

- **देश को टेक्नोलॉजी से जुड़ी प्रगति को लेकर दूसरे देशों पर निर्भर रहने से भी बचना होगा।**

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि भारत को एआई जैसी अपनी खुद की एडवांस टेक्नोलॉजी बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके साथ ही देश को टेक्नोलॉजी से जुड़ी प्रगति को लेकर दूसरे देशों पर निर्भर रहने से भी बचना होगा। कांत ने

कहा कि भारत को अपनी तकनीकी स्वतंत्रता बनाए रखनी चाहिए और ऐसी तकनीकें बनानी चाहिए, जो देश की अनूठी संस्कृति और पहचान को दर्शाती हों।उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को पश्चिम या किसी अन्य देश का 'तकनीकी उपनिवेश' नहीं बनना चाहिए। इसके बजाय, उसे ऐसे इनोवेशन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो क्रिक, एनर्जी-एफिशिएंट और लागत-प्रभावी हों। 'स्टार्टअप महाकुंभ' कार्यक्रम के दूसरे एडिशन में कांत ने कहा, 'यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारत तकनीकी उन्नति में अपनी संप्रभुता बनाए रखे और सबसे आगे रहकर नेतृत्व करे। हमें पश्चिम या दुनिया के किसी अन्य देश का तकनीकी उपनिवेश नहीं बनना चाहिए। हमें तेजी से, कम ऊर्जा-खपत और लागत-प्रभावी तरीके से इनोवेशन को जारी रखना चाहिए।उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा, ÷भारत की स्टार्टअप कहानी उद्यमशीलता की भावना का प्रमाण है जो नए भारत को परिभाषित करती है। जब हमने 2016 में स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरुआत की थी, तो हमारा लक्ष्य एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना था, जो इनोवेशन को बढ़ावा दे, वित्तीय सहायता प्रदान करे और युवा व्यवसायों का पोषण करे। केवल नौ वर्षों में, हमने स्टार्टअप गतिविधि में एक बड़ा बदलाव देखा है।कांत ने कहा, मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 2016 में 400 से बढ़कर 2025 में 1,61,000 से अधिक हो गई है। हमें इस गति को जारी रखना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि इनोवेशन भारत की विकास कहानी के केंद्र में बना रहे।

ईडी का रांची समेत देशभर में 21 जगह छापा

- **झारखंड में 'मुर्दों के इलाज' पर आयुष्मान भारत योजना में लूट का खुलेगा राज**

एजेंसी

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह झारखंड की राजधानी रांची समेत देशभर में एक साथ 21 स्थानों पर छापा मारा है।निदेशालय की इस बड़ी कार्रवाई से आयुष्मान भारत योजना में की गई गड़बड़ी का खुलासा होने की उम्मीद है। यह कार्रवाई सुबह से रांची के अशोक नगर, पीपी कंपाउंड, एदलहातू, बरियातू, लालपुर और चिरौंदी में चल रही है। संसद में आयुष्मान

भारत योजना पर पेश की चुकी भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड में तमाम तरह की धांधली हुई है। इसमें हैरानी जताते हुए यह तक दावा किया गया है कि मुर्दों का इलाज कर दिया गया। इस रहस्योद्घाटन पर ईडी ने जांच शुरू की। ईडी ने स्वास्थ्य विभाग और झारखंड स्टेट हेल्थ सोसाइटी से ऐसा करने वालों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी। स्वास्थ्य विभाग ने कुछ अस्पतालों के खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी की सूचना भेजी। ईडी ने इस प्राथमिकी को आर्थिक अपराध सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) के तौर पर दर्ज कर बड़ा एक्शन शुरू किया है। ईडी ने झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल में दो, उत्तर प्रदेश में एक और दिल्ली में भी छापा मारा है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी का बड़ा बयान, बोले-

विषय समानता का हैं, न की राजनीति का

एजेंसी

चंडीगढ़। वक्फ संशोधन विधेयक पर चंडीगढ़ के हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह विधेयक किसी धर्म या समूह के खिलाफ नहीं है, बल्कि समानता और खुलेपन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संवैधानिक ढांचे के भीतर काम कर रही है और सच्ची धर्मनिरपेक्षता हर व्यक्ति को समान अधिकार देना है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मौजूदा नीति नहीं है। हर बार उन्होंने गलत जानकारी देकर लोगों को गुमराह किया है, उन्हें सिर्फ लोगों को भड़काना आता है-चाहे वह सीएए हो या मौजूदा वक्फ संशोधन विधेयक। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने वर्षों से व्यवस्था को खत्म किया है और हमेशा सिर्फ वोट बैंक तक ही सीमित रही है।

भाजपा का लक्ष्य-सबका साथ-सबका विकास: मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार निष्पक्ष रूप से हर व्यक्ति की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की नीति का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। उनका दृष्टिकोण किसी भी जरूरतमंद की मदद करना है, बिना उसके धर्म या जाति को देखे।

भारत बनेगा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था: देश की आर्थिक वृद्धि पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अगले कुछ वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने कांग्रेस का मजाक उड़ाते हुए कहा कि हालांकि भाजपा देश को आगे बढ़ा रही है, लेकिन विपक्षी दल केवल साझेदारी बनाकर जीवित रहने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के निवासी भी कांग्रेस से निराश महसूस करते हैं क्योंकि उन्होंने बहुत सारे वादे किए लेकिन व्यवहार में बहुत कम काम किया। बार-बार नशे की लत और बेरोजगारी के बारे में उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार को अंधकार और अभाव में ले जाता है। हमारे अधिकारी युवाओं में नशे की लत को फैलने से रोकने के लिए प्रयासरत हैं।

राहुल गांधी के निर्देश पर कटाक्ष मुख्यमंत्री सैनी ने अपने सवाल के माध्यम से कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अगर किसानों के बारे में बोलते हैं तो पहले उन्हें यह बताना चाहिए कि उन्होंने अब तक उनके लिए क्या किया है। केवल बयानबाजी नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर काम करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ संशोधन विधेयक के पारित होने को 'ऐतिहासिक क्षण' बताया

- **संसद से पारित इन विधेयकों से पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों के अधिकारों की रक्षा होगी।**

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी वक्फ संशोधन विधेयक पास हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक का पारित होना देश की सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पल है। उन्होंने कहा कि यह कदम उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगा, जो लंबे समय से हाशिए पर रहे हैं और जिन्हें आवाज और अवसर से वंचित रखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इन विधेयकों पर संसदीय और समिति चर्चाओं में भाग लिया, अपने विचार प्रस्तुत किए और इन कानूनों को मजबूत बनाने में योगदान दिया। उन्होंने उन अनगिनत लोगों का भी विशेष धन्यवाद किया, जिन्होंने संसदीय समिति को अपने मूल्यवान सुझाव भेजे। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक बार फिर, व्यापक बहस और संवाद का महत्व साबित हुआ है।

वक्फ संशोधन बिल पर मायावती ने जताई असहमति,

कहा– सरकार जल्दबाजी में लाई बिल

- **ज्ञात हो कि वक्फ बिल लोकसभा से आसानी से पारित होने के बाद राज्यसभा से भी पारित हो गया।**

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने वक्फ संशोधन बिल पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसको लाने में जल्दबाजी की है। इस बिल से पार्टी सहमत नहीं है। बसपा मुखिया मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि संसद में वक्फ संशोधन बिल पर सत्ता और विपक्ष को सुनने के बाद, निष्कर्ष यही निकलता है कि केंद्र सरकार यदि जनता को इस बिल को समझने के लिए कुछ और समय दे देती तथा उनके सभी संदेहों को भी दूर करके जब इस बिल को लाती तो यह बेहतर होता। उन्होंने आगे कहा कि दुःख की बात यह है कि सरकार ने इस बिल को बहुत जल्दबाजी में लाकर जो इसे पास कराया है, यह उचित नहीं है और अब इस बिल के पास हो जाने पर यदि सरकार इसका दुरुपयोग करती हैं, तो फिर बसपा मुस्लिम समाज का पूरा साथ देगी, अर्थात ऐसे में इस बिल से पार्टी सहमत नहीं है।

नांदेड़ जिले में ट्रैक्टर कुएं में गिरा, आठ महिला मजदूरों की मौत, तीन घायल

- **इस घटना के बाद ट्रैक्टर चालक फरार हो गया**

एजेंसी

मुंबई। नांदेड़ जिले में स्थित अलेगांव शिवरा में शुक्रवार को सुबह मजदूरों को ले जा रहा ट्रैक्टर अचानक कुएं में गिर गया, जिससे आठ महिला मजदूरों की मौत हो गई। इस घटना में तीन मजदूर घायल हो गए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

नांदेड़ पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य कर रही है। राजस्व विभाग के सूत्रों के अनुसार हिंगोली जिले के वासमत तहसील के गुंज निवासी मजदूर आज सुबह नांदेड़ जिले के अलेगांव शिवरा में दगडू शिंदे के खेत में हल्दी काटने का

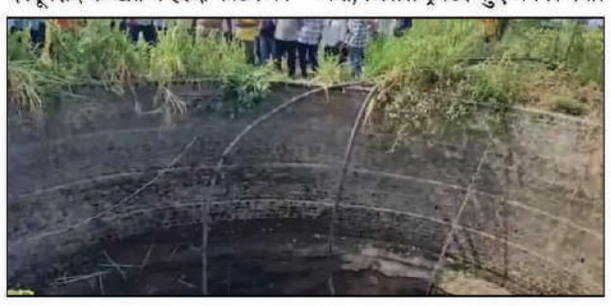

काम करने ट्रैक्टर से जा रहे थे। अलेगांव शिवरा में पहुंचते ही अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे ट्रैक्टर कुएं में गिर गया। इस घटना के बाद ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही नांदेड़ पुलिस गांव वालों के साथ मौके पर पहुंची और पंप लगाकर कुएं का पानी निकाला जा रहा है। इस घटना में ताराबाई जाधव, धारुसा जाधव, मीना राउत, ज्योति सरोदे, चौथराबाई पारधे, सरसपति भुरद, सिमरन कांबले और एक अन्य की मौत हो गई है।

इसके अलावा पुरुभाबाई कांबले, पार्वती बुरड और सतवाजी जाधव को बचा लिया गया है और तीनों का इलाज नजदीकी अस्पताल में जारी है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

भारत ही नहीं, पूरी दुनिया देख रही है ममता बनर्जी की तानाशाही : संबित पात्रा

- **बंगाल में भ्रष्टाचार और 'दीदी' की तानाशाही सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने देखी है।**

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा सांसद संबित पात्रा ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्हें 'तानाशाह' बताया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार को सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया ने भी देखा है। उनकी हिटलरशाही किसी से छिपी नहीं है। दरअसल, पश्चिम बंगाल एसएससी भर्ती घोटाले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रदेश की ममता सरकार को झटका लगा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

साथ ही तीन महीने के अंदर नए सिरे से चयन प्रक्रिया के आदेश भी दिए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को ममता बनर्जी ने मानने से इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी को लेकर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने शुक्रवार को कहा, 'बंगाल में आज क्या स्थिति है, किसी से छिपी नहीं है। बंगाल में भ्रष्टाचार और 'दीदी' की तानाशाही सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने देखी है। हाल ही में ममता बनर्जी ने ऑक्सफोर्ड जाकर दावा किया कि वह एक बाघिन हैं, लेकिन क्या आपने ऐसी बाघिन देखी है जो भ्रष्टाचार में लिप्त है? एक बाघिन कभी अपने बच्चों को नहीं मारती और एक सच्चा नेता भी कभी ऐसा काम नहीं करता जिससे लोगों का जीवन नरक बन जाए। लेकिन, दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि ममता बनर्जी की सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार की वजह से लाखों लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

अनंत अंबानी की द्वारका पदयात्रा में शामिल हुए आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री

- **इस मौके पर शास्त्री ने मीडिया को बताया कि यह भक्ति और शक्ति की यात्रा है।**
- **मेरे परममित्र अनंत अंबानी द्वारकाधीश के चरणों में शीश नवाने जा रहे हैं।**

एजेंसी

जामनगर। रिलायन्स ग्रुप के अनंत अंबानी की द्वारका पदयात्रा के 8वें दिन शुक्रवार को बागेश्वरधाम के आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री भी जुड़े। शुक्रवार तड़के 5 बजे महादेवडिया गांव से यात्रा की शुरुआत हुई और खाड़ी के समीप पूरी हुई। अब शनिवार सुबह आगे यात्रा शुरू होगी।

रिलायंस ग्रुप के अनंत अंबानी भगवान द्वारकाधीश के धाम में 10 अप्रैल को अपना जन्मदिन मनाएंगे। इसके लिए वे जामनगर के रिलायंस टाउनशिप से 150 किलोमीटर दूरी पर स्थित द्वारका की यात्रा पर निकले हैं। रोजाना वे 10 से 12 किलोमीटर की दूरी तय करते हैं। शुक्रवार को अनंत अंबानी ने महादेवडिया गांव से अपनी यात्रा शुरू की। इनके साथ बागेश्वरधाम के आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री भी यात्रा में शामिल हुए। धीरेन्द्र शास्त्री बगैर चप्पल ही नंगे पैर यात्रा से जुड़े। इस मौके पर शास्त्री ने मीडिया को बताया कि यह भक्ति और शक्ति की यात्रा है। मेरे परममित्र अनंत अंबानी द्वारकाधीश के चरणों में शीश नवाने जा रहे हैं। इनका तन निरोगी है, मन तंदरुस्त है और श्रद्धा

से भरपूर है। मेरे तो वे खास मित्र हैं। मुझे बहुत ही गौरव है। मैं भी इनकी यात्रा में साथ जुड़ा हूं। उन्होंने कहा कि इस पदयात्रा से एक संदेश देना चाहता हूं कि हमें जमीन से जुड़ा रहना चाहिए। हम भले ही कितने भी बड़े हो जाए तो बिल्डिंग हवा में खड़ा नहीं रह सकता है। जमीन पर ही बिल्डिंग खड़ा रह सकता है। द्वारकाधीश अनंत अंबानी के साथ हैं। इस यात्रा में 200 ब्राह्मण भी पैदल चल रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग भजन-कीर्तन गाते चलते हैं। यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों में अनंत अंबानी को देखने की भी ललक दिखाई दी।

बीजू जनता दल वक्फ का विरोध नहीं करेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन को लेकर नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल राज्यसभा में विपक्ष के साथ विधेयक का विरोध नहीं करेगी। विधेयक के विरोध के बाद राज्यसभा में पार्टी ने अपने सांसदों से स्वेच्छा से मत देने की बात कही है। पार्टी नेता सस्मित पात्रा ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने हमारे सदस्यों को राज्यसभा में न्याय, सद्भाव और सभी समुदायों के अधिकारों के सर्वोत्तम हित में अपने विवेक का प्रयोग करते हुए बिल पर किस पक्ष में मतदान करना है इसकी जिम्मेदारी दी है। इस मुद्दे पर पार्टी कोई व्हिप नहीं दे रही।

'कोई भी व्यक्ति या संगठन, कानून और संविधान से बड़ा नही', वक्फ विधेयक पर बोलीं कंगना रनौत

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत की प्रतिक्रिया सामने आई है। संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को खत्म किया जा रहा है, जो हमारे देश को दीमक की तरह खा रहा है, और कोई भी व्यक्ति या संगठन, कानून और संविधान से बड़ा नहीं है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना ने प्रस्तावित कानून की तारीफ की और कहा कि कोई भी व्यक्ति या संगठन, कानून और संविधान से बड़ा नहीं है। इस विधेयक का उद्देश्य देश में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन में सुधार करना है। कंगना रनौत ने कहा, यह एक ऐतिहासिक दिन है और यह हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से देखने को मिला है। देश में कानून से बढ़कर कोई भी चीज नहीं हो सकती है। स्वच्छता आंदोलन हो, करप्शन के खिलाफ हो, गंदगी के खिलाफ हो, ये सब काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में ही लिखे गए हैं। कई देशों का जितना क्षेत्रफल नहीं होता, उतनी जमीन पर (वक्फ बोर्डों ने) कब्जा किया हुआ है। अभिनय से राजनीति में आई भाजपा सांसद ने कहा, रेगुलेटरी बॉडीज, डीसी, जिलाधिकारी देखरेख करेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर वे कोई गैरकानूनी काम करेंगे तो कानूनी व्यवस्थाएं उनसे पूछ सकती हैं। इससे पहले देखिए क्या हालत थी देश की। देश देख रहा है, समझ रहा है। जो काम वर्षों से अटके हुए थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए वह सब कर रहे हैं।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए कृत्रिम वर्षा का ट्रायल शुरू करेगी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए एक महत्वपूर्ण कदम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली में कृत्रिम बारिश का ट्रायल करेगी। मनजिंदर सिंह सिरसा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने एक नई पहल की है, जिसके तहत दिल्ली में कृत्रिम वर्षा का प्रयोग किया जाएगा। यह एक ट्रायल बेसिस पर किया जाएगा, और यदि यह सफल रहता है, तो इसे भविष्य में और व्यापक रूप से लागू किया जा सकता है। उनका मानना है कि यह कदम दिल्ली में प्रदूषण की गंभीर स्थितियों को कम करने में मदद करेगा। सिरसा ने कहा, हमारा उद्देश्य यह है कि हम प्रदूषण की अत्यधिक स्थितियों में इस तकनीक का उपयोग कर सकें। हम चाहते हैं कि इस ट्रायल के दौरान बारिश के पानी का परीक्षण किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसमें कोई हानिकारक रसायन या खतरनाक तत्व न हों, जो जनता के लिए खतरे का कारण बन सकते हैं।÷ उन्होंने कहा कि यह कदम दिल्ली के बाहरी इलाकों में शुरू किया जाएगा, जहां कम से कम यह प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयास में सहायक हो सकता है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि जहां पर क्लाउड सीडिंग की जाए, वहां के वातावरण की स्थिति उपयुक्त हो, जिसमें आर्द्रता और बादलों की न्यूनतम मात्रा का होना आवश्यक है।

पीएम मोदी रामनवमी पर तमिलनाडु में करेंगे नए पंबन रेल पुल का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर तमिलनाडु के पंबन में देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे पुल का उद्घाटन करेंगे। यह पुल पंबन और रामेश्वरम के बीच स्थित है और इसे भारतीय रेलवे की एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार निदेशक दिलीप कुमार ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि रामेश्वरम भारत का एक महत्वपूर्ण द्वीप है, जो सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से बेहद खास माना जाता है। इस स्थान का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है, क्योंकि यह भगवान श्रीराम से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए पंबन रेल पुल की आधारशिला रखी थी, जिसे अब महज पांच वर्षों में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

राज्यसभा सदस्यों के लिए 'एथिक्स कमेटी' प्रभावी तंत्र विकसित करेः सभापति

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने घनश्याम तिवाड़ी की अध्यक्षता वाली संसदीय आचार समिति (एथिक्स कमेटी) को ऐसा प्रभावी तंत्र विकसित करने का जिम्मा सौंपा है, जिससे सदन में सदस्य मर्यादित आचरण करें और संसदीय संस्थान की साख में इजाफा हो। लोकसभा में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में दिए गए बयान को लेकर आज राज्यसभा में जोरदार हंगामा हुआ। सभापति जगदीप धनखड़ यह सब देखकर भावुक हो गए। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि इस सदन में और दूसरे सदन में बहुत वरिष्ठ लोगों के संबंध में सभी प्रकार की बातें की गई हैं। खरगे सबसे वरिष्ठ लोगों में से एक हैं। मैं प्रधानमंत्री सहित संवैधानिक पदों पर

बैठे अन्य वरिष्ठ लोगों के संबंध में जो कहा गया है, वह यहां नहीं कहना चाहता। इसलिए मैं सभी से आग्रह करूंगा कि चाहे प्रधानमंत्री हों, सदन के नेता हों, विपक्ष के नेता हों, मेरे लिए हर सदस्य की अपनी एक अनमोल प्रतिष्ठा है, जिसे बनाए रखना है और इसलिए जो कुछ भी हटाया गया (एक्सपंज) है, उसे कभी भी चर्चा में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा, जयराम रमेश ने सदन में सबकी मौजूदगी में सभापति के खिलाफ सबसे घिनौना आरोप लगाया है कि सभापति मुद्दे को भटका रहे हैं। जयराम रमेश ने आपके सभापति को चीयरलीडर कहा था। मेरी पीड़ा की कल्पना कीजिए, जब एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने इस सदन के पवित्र परिसर में अध्यक्ष की मिमिक्री का वीडियो बनाया। देश के लाखों लोगों की पीड़ा की कल्पना कीजिए जब आप केवल दाग लगाने, कलंकित करने, अपमानित करने और प्रतिष्ठा खराब करने के लिए बाहर गए हैं। सभापति ने कहा कि जब राणा सांगा का मुद्दा आया तो भी मैं विचारशील था। मैंने इसका व्यक्तिगत हिस्सा नहीं बताया, सैनिक स्कूल में जिस सदन में मैं रहता था उसका नाम राणा सांगा के नाम पर रखा गया था। एक महान पुत्र पर ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। क्या हम केवल तब प्रतिक्रिया करते हैं जब खुद की दाढ़ी में आग लगती है? मैंने विपक्ष के नेता के प्रति सर्वोच्च सम्मान दिखाया लेकिन यदि आपका मतलब राजनीतिकरण करना है तो मैं आपको बता दूं कि सभापति द्वारा निष्कासन से इस मुद्दे पर शांति आनी चाहिए। मैंने डेरेक ओ ब्रायन को अपने सदस्यों को इशारे करते हुए देखा है। क्या हम इसे कभी बर्दाश्त कर सकते हैं? जब मैंने डेरेक ओ ब्रायन की टिप्पणियों को हटाया।

वक्फ संशोधन विधेयक-2025 में सुधार कम, संशय ज्यादा हैः अभिषेक मनु सिंघवी

एजेंसी

नई दिल्ली । राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस बिल में सुधार कम और संशय ज़्यादा है। न्याय कम और पक्षपात ज़्यादा है। संविधान ने जो दिया, यह बिल वह छीनने की कोशिश कर रहा है। इसको संशोधन कम, साज़िश ज़्यादा कहा जाना चाहिए। जब क़ानून बराबरी का ना हो तो वह सत्ता की चालाकी बन जाता है। यह क़ानून नहीं, क़ानूनी भाषा में लिपटी हुई मनमानी है। उन्होंने कहा कि बिल के क्लॉज 11 के तहत शत-प्रतिशत सदस्य प्रादेशिक वक़्फ़ बोर्ड के ऐसे व्यक्ति होंगे, जिनको प्रदेश सरकार नियुक्त या नामित करेगी यानी चुनाव नहीं होगा। ऐसे में धर्म और समुदाय को अपने वर्गों को चुनने का क्या अधिकार क्षेत्र बचा? वक़्फ़ बोर्ड में ग्यारह में से न्यूनतम सिर्फ़ तीन मुसलमान होने चाहिए। यानी 11 में से 8 ग़ैर मुसलमान हो सकते हैं। अनुच्छेद 26 का कौन सा स्वायत्तता का हक़ आपने समुदाय के

साथ छोड़ा जहां तक वक़्फ़ कौंसिल का सवाल है, ग़नीमत है कि 22 में से कम से कम 12 मुसलमान होने चाहिए। अनुच्छेद 25 और 26 अपने धर्म के लोगों को अपनी संस्थाएं खुद चलाने का हक़ देता है। इस बिल के क्लॉज 14 द्वारा वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष को अविश्वास मत द्वारा हटाने का अधिकार अब हटा दिया गया है। ऐसे में क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया बची, क्या स्वायत्ता बची? बचा तो सिर्फ़ सरकारी नियंत्रण।

वक्फ का प्रमुख पहलू धार्मिक नहीं बल्कि संपत्ति-केंद्रित प्रशासन : अल्पसंख्यक मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का कहना है कि भारत में वक्फ प्रणाली को लंबे समय से धार्मिक चश्मे से देखा जाता रहा है। वक्फ का प्रमुख पहलू इसके धार्मिक अर्थों में नहीं बल्कि इसके संपत्ति-केंद्रित प्रशासन में निहित है। मंत्रालय के अनुसार कानूनी प्रावधानों, न्यायिक व्याख्याओं और नीतिगत विकास की एक नजदीकी जांच यह स्पष्ट करती है कि वक्फ मुख्य रूप से धार्मिक अभ्यास के बजाय संपत्ति प्रबंधन, प्रशासन और शासन का मामला है। वक्फ अधिनियम, 1995 बाद के संशोधनों के साथ, वक्फ संपत्तियों के विनियमन, उनके उचित प्रशासन और उपयोग को सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। वक्फ अधिनियम, 1995, वक्फ को इस्लामी कानून द्वारा पवित्र, धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त उद्देश्यों के लिए मुस्लिम

व्यक्ति द्वारा चल या अचल संपत्ति के स्थायी समर्पण के रूप में परिभाषित करता है। हालांकि, वक्फ का प्रमुख पहलू इसके धार्मिक अर्थों में नहीं बल्कि इसके संपत्ति-केंद्रित प्रशासन में निहित है। वक्फ अधिनियम की धारा 96 केंद्र सरकार को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और कल्याणकारी मामलों को कवर करते हुए वक्फ संस्थानों की धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों को विनियमित करने का स्पष्ट रूप से अधिकार देती है।केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) और राज्य वक्फ बोर्ड (एसडब्ल्यूबी) संरक्षक और नियामक के रूप में कार्य करते हैं, वक्फ प्रबंधन में पारदर्शिता और कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। भारतीय अदालतों ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन एक धर्मनिरपेक्ष कार्य है, जो धार्मिक प्रथाओं से अलग है। सैयद फजल पूकोया थंगल बनाम भारत संघ (केरल उच्च न्यायालय, 1993): निर्णय में स्पष्ट किया गया कि वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है।

वक्फ संशोधन बिल पर बोले सुधांशु त्रिवेदी- यह शराफत अली और शरारती खान के बीच की लड़ाई है

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमने इमानदारी से मुस्लिम समाज के कल्याण की बात की है। एक तरफ खड़ा है ईमानदार मुसलमान, जो शराफत के साथ ईमान को गले लगाए हुए है। ये मुकाबला शराफत अली और शरारत खान के बीच है। हमारी सरकार शराफत अली के साथ खड़ी है। हम गरीब मुस्लिम के साथ खड़े हैं। यह सिर्फ अमीरी और गरीबी के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि वंचितों के सच्चे दर्द और कट्टरपंथी वोट के दलालों के अहंकार के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जेपी नड्डा ने पहले ही कहा है कि हमारी वक्फ समिति ने इस विधेयक के लिए बहुत विस्तृत तरीके से काम किया है। इंडोनेशिया, तुर्की, इराक और सीरिया

जैसे कई इस्लामिक देशों में वक्फ नहीं है, तो भारत में क्यों है? अगर हम भारत की बात करें तो क्या सिखों, पारसियों और ईसाइयों के पास ऐसी शक्तियां हैं? सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, इन जरूरतमंद मुस्लिमों की लड़ाई के लिए गरीबों के मन की कसक और कट्टरपंथी की ठसक के बीच हमारी सरकार ने गरीबों का साथ दिया है। ईमानदार मुस्लिम के लिए ये उम्मीद है लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो उम्मा का ख्वाब पाले हुए थे, उनके ख्वाब पर पानी फिर गया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सिर्फ जूना अखाड़ा ने पिछले साल 71 एससी-एसटी को महामंडलेश्वर बनाया। उन्होंने विपक्ष से सवाल पूछा- मुल्ला, मौलवी, मुफ्ती, हाफिज में से कितने पसमंदा हैं। वक्फ बोर्ड में भी पसमंदा मुस्लिम नहीं हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अगर इतना ही भाईचारा है तो फिर सुन्नी और शिया वक्फ बोर्ड अलग क्यों है। जमीन पर इनको एक-दूसरे पर एतबार नहीं है, सिर्फ सियासत के लिए साथ आने की बात है। मुस्लिम वर्ग के कई लोग इस चीज से प्रताड़ित थे।

शीर्ष सैन्य नेतृत्व वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखकर अपनी योजनाएं बनाए : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के कमांडरों से वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक को शामिल करते हुए योजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा वैश्विक घटनाएं एक दूसरे से जुड़ी हैं और ऐसी घटनाएं चाहे हमारे पड़ोस में हों या दूर के देशों में, सभी को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि %हाइब्रिड युद्ध% भविष्य के पारंपरिक युद्धों का हिस्सा होंगे। साइबर, सूचना, संचार, व्यापार और वित्त सभी भविष्य के संघर्षों का अभिन्न अंग बनेंगे। इसलिए सशस्त्र बलों को अपनी योजना और रणनीति बनाते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना होगा। रक्षा मंत्री नई दिल्ली में चल रहे सेना कमांडरों के सम्मेलन में तीसरे दिन के सत्र की अध्यक्षता करते हुए भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने वर्तमान भू-रणनीतिक अनिश्चितताओं और जटिल विश्व स्थिति पर जोर दिया, जो वैश्विक स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान गतिशील भू-रणनीतिक परिवर्तनों और अनिश्चितताओं के साथ चल रहे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में

रखते हुए सशस्त्र बलों को दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों चुनौतियों का समाधान करते हुए योजना तैयार करनी चाहिए। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में आधुनिक तकनीक को शामिल करने वाली सैन्य खुफिया के महत्व पर अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है। रक्षा मंत्री ने उत्तरी सीमा की मौजूदा स्थिति पर तैनात सशस्त्र बलों की दृढ़ता और सतर्कता के लिए सराहना की तथा कहा कि ऐसा ही जारी रहना चाहिए। रक्षा मंत्री ने बीआरओ के प्रयासों को सराह्य, जिसके कारण कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए पश्चिमी और उत्तरी दोनों सीमाओं पर सड़क संचार में भारी सुधार हुआ है। सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन को हर समय सहायता प्रदान करने में सेना की सराहनीय भूमिका पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना सुरक्षा, एचएडीआर, चिकित्सा सहायता से लेकर देश में स्थिर आंतरिक स्थिति बनाए रखने तक हर क्षेत्र में मौजूद है। उन्होंने सेना कमांडरों के सम्मेलन में राष्ट्र के 'रक्षा और सुरक्षा' दृष्टिकोण को नई ऊंचाइयों पर सफलतापूर्वक ले जाने के लिए सेना नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने पश्चिमी सीमा पर आतंकवाद के प्रति भारतीय सेना की प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि विरोधी की ओर से छद्म युद्ध जारी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से निपटने में सीएपीएफ, पुलिस बलों और सेना के बीच उत्कृष्ट तालमेल है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में समन्वित अभियान क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं और ऐसा ही होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि सैन्य बलों की उच्चस्तरीय परिचालन तैयारियों और क्षमताओं का अनुभव वे हमेशा अग्रिम क्षेत्रों की अपनी यात्राओं के दौरान करते रहे हैं।

लोकसभा से पारित हुआ तटीय नौवहन विधेयक-2024

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने तटीय नौवहन विधेयक-2024 ध्वनिमत से पारित कर दिया।

विधेयक देश के तटीय जल के भीतर व्यापार कर रहे जहाजों को विनियमित करता है। विधेयक का उद्देश्य तटीय नौवहन संबंधी कानूनों को समेकित और संशोधित करना, तटीय व्यापार और घरेलू भागीदारी को बढ़ावा देना है। विधेयक यह सुनिश्चित करेगा कि भारत के पास सुरक्षा और वाणिज्य के लिए नागरिक स्वामित्व वाला तटीय बेड़ा हो। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए पत्तन, पोत और परिवहन मंत्री सर्वानंद सोनेवाल ने कहा कि विधेयक तटीय नौवहन में देश की अपार, अप्रकाशित क्षमता के इष्टतम उपयोग के लिए एक बहुत ही आवश्यक है। साथ ही यह रणनीतिक और भविष्य की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण कानून के रूप में कहा जाता है। इस दौरान मंत्री ने पिछले 10 वर्षों में क्षेत्र में प्राप्त उल्लेखनीय सफलताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कार्गो हैंडलिंग में हमारी वृद्धि 103 प्रतिशत तक पहुंच गई है। 2014 में यह 80 करोड़ मीट्रिक टन थी, जो अब बढ़कर 1630 करोड़ मीट्रिक टन हो गई है। पोर्ट रैंकिंग में हमारा स्थान 2014 में 54वां था। आज हम 38वें स्थान पर हैं। बीते 10 साल में दुनिया के बेहतरीन 100 पोर्ट में भारत के 9 पोर्ट शामिल हुए हैं।

संसद की वक्फ विधेयक पर मुहर, अब राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली । संसद ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर अपनी मुहर लगा दी। लोकसभा के बाद राज्यसभा में 12 घंटे से अधिक चली मैराथन बहस के बाद इसे पारित कर दिया गया। आधीरात बाद नई तारीख (04 अप्रैल,2025) शुरू होने के कुछ समय बाद विधेयक के समर्थन में 128 और विरोध में 95 मत पड़े। विधेयक पर विपक्ष ने कई संशोधन पेश किए। सदन ने उन्हें खारिज कर दिया। अब इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही यह विधेयक कानून का रूप ले लेगा। विधेयक पारित करने के लिए लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी आधी रात बाद तक कार्यवाही चली। राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक- 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है और इसे धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए। फिर भी हमने इसमें गैर-मुस्लिमों की संख्या सीमित कर दी है। वक्फ विधेयक से मुसलमानों को हम नहीं डरा रहे, बल्कि विपक्षी पार्टियां डरा रही हैं। उन्होंने पूछा कि मुसलमानों में गरीबी ज्यादा है, तो उन्हें गरीब किसने बनाया? आपने बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सबका साथ,

सबका विकास की बात की है, वही तो संविधान की भावना है। वक्फ बोर्ड असंवैधानिक नहीं है। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष की अधिकांश सीटें खाली दिखीं। इस दौरान लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी सरकार की तरफ से गृहमंत्री अमित शाह मोर्चा संभाले दिखे। उन्होंने चर्चा के दौरान कई बार खड़े होकर न सिर्फ हस्तक्षेप किया, बल्कि विपक्ष को आईना भी दिखाया। कांग्रेस के नासिर हुसैन को उन्होंने बीच में टोका और कहा कि अब तक ट्रिब्यूनल के फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती थी। नए विधेयक में हम इसे लेकर आए हैं। भाजपा अध्यक्ष और सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में मुस्लिम महिलाओं को दोयम दर्जे की नागरिक बना दिया था। मिस्र, सूडान, बांग्लादेश और सीरिया जैसे मुस्लिम देशों में कई साल पहले तत्काल तीन तलाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने एक दशक तक सत्ता में रहने के दौरान मुस्लिम महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। इससे पहले राज्यसभा में विधेयक पेश करते हुए रिजिजू ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज किया कि मुस्लिमों के अधिकार छीने जा रहे हैं।

अगर वक्फ बिल में कुछ कमी है तो उसे ठीक करके उसके बाद लाया जाना चाहिएः खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली । राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि पूरे देश में एक ऐसा माहौल बना है, जिससे ध्वनित होता है कि यह अल्पसंख्यकों को परेशान करने के लिए लाया गया है। लोकसभा में यह बिल जितने कम अंतर से पास हुआ, वह यह प्रदर्शित करता है कि इसमें कुछ खामियां हैं। जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला तरीका छोड़ना होगा। यह दान करने का बिल है। यह कोई और तरीके से दान लाने का बिल नहीं है। इसमें अल्पसंख्यकों के हक हकूक का ख्याल रखा जाना चाहिए। सदन में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से उन्होंने अपील की कि अगर बिल में कुछ कमी है तो उसे ठीक किया जाना चाहिए और उसके बाद इसे लाया जाना चाहिए। अल्पसंख्यक विभाग को आपने पिछले पांच साल में 18,274 करोड़ में से 3,574 करोड़ रुपये खर्च नहीं हुए। इससे लगता है कि आप अल्पसंख्यकों का ढंग से ख्याल नहीं रख रहे हैं। अल्पसंख्यकों के पांच कार्यक्रम आपने बंद कर दिया। 1995 और 2013 के एक्ट को सर्वसम्मति से स्वीकार किया लेकिन आज उसमें संशोधन किया जा रहा है। इसमें कुछ नए क्लॉज जरूर जोड़े गए हैं लेकिन उनसे अल्पसंख्यकों का भला नहीं होने वाला है। मेरी अपील है कि ऐसा कोई काम नहीं होना चाहिए जो हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को नष्ट करे। यही चंद बातें कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं और साथ ही इस बिल का पुरजोर विरोध करता हूं। कांग्रेस सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार ने वक्फ बिल का नाम 'उम्मीद' रखा है। पर सच्चाई ये है कि न ये बिल मुसलमानों के लिए उम्मीद है और न उम्मीद की किरण। आज मैं अपने हमवतन भाई-बहनों से पूछना चाहता हूं कि आपको अपने बच्चों की नौकरी और खुशहाली की दरकार है, या फिर मुसलमानों की दान की गई जमीनों को धन्ना सेठों को देने की साजिश करने वाले कानून की।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के सांविधिक संकल्प को राज्यसभा ने मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद आधी रात के बाद मणिपुर पर चर्चा हुई और सदन ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। इस दौरान करीब पौने दो घंटे तक राज्यसभा में मणिपुर पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने केंद्र सरकार की आलोचना की। राज्यसभा ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने को अनुमोदित करने वाले सांविधिक संकल्प पर आज तड़के चार बजे अपनी मुहर लगा दी। केंद्रीय गृहमंत्री ने अपने जवाब में सदन को आश्वस्त किया कि राज्य में हालात तेजी से सुधर रहे हैं। उसके बाद मैतेई और कुकी दोनों समुदायों से संवाद की प्रक्रिया वहां शुरू की जाएगी। स्थिति सामान्य होते ही राष्ट्रपति शासन हटा दिया जाएगा। इसके बाद सदन ने ध्वनिमत से इस संकल्प को पारित कर दिया। लोकसभा इसे एक दिन पहले ही पारित कर चुकी है। गृहमंत्री अमित शाह ने ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि 13 फरवरी, 2025 को जो राष्ट्रपति शासन मणिपुर में लगाया गया, उसकी मान्यता के लिए सदन में उपस्थित हूं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शासन किसी भी तरह से लगाया जाए, अनुच्छेद 356(1) के तहत ही लागू

किया जा सकता है। मणिपुर में 11 फरवरी को मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया, इसके बाद किसी पार्टी ने सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किया तो राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। उस सरकार के खिलाफ कोई अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया गया था। मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था। किसी ने सरकार गठन का दावा नहीं किया तो ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति शासन लगाया गया। 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगा लेकिन उससे पहले से ही वहां हिंसा थम चुकी थी और आज भी वहां कोई हिंसा नहीं है। चर्चा के दौरान कुछ सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि देश के दो समुदायों के बीच हिंसा और देश के खिलाफ हथियार उठाना (नक्सली हिंसा) में फर्क है। मणिपुर में जातीय हिंसा में कुछ महिलाओं के साथ ज्यादती हुई लेकिन संदेशखाली में जो कुछ हुआ, वह जगजाहिर है। बंगाल सरकार चुप रही। बंगाल में चुनावी हिंसा में बड़ी संख्या में लोग मार दिए गए। खरगे ने कहा कि वहां की दो सीटें हम हार गए तो राष्ट्रपति शासन लगा दिया, ऐसा नहीं है। पूर्वोत्तर में 2004 से 2014 तक यूपीए राज में 11 हजार से अधिक हत्याएं हुई।

मोदी सरकार तीसरे कार्यकाल में भी पहले की तरह ही मजबूत और सशक्त : शांभवी चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली । लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए दावा किया कि मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी पहले दो कार्यकालों की तरह ही मजबूत और सशक्त है। शांभवी चौधरी ने कहा, मोदी 3.0 सरकार पहले की दो सरकारों की तरह ही मजबूत और सशक्त है। सरकार उसी मजबूती के साथ देश और समाज के हित के लिए काम कर रही है। एनडीए में जितने भी घटक दल शामिल हैं, चाहे उनमें एलजेपी (आर), जेडीयू या टीडीपी हों, वे सभी भाजपा के साथ मिलकर तेजी से काम कर रहे हैं। सभी मिलकर देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार को कोई भी बड़े निर्णय लेने में दिक्कत नहीं आ रही है। कई ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण बिल भी एनडीए की सरकार पास कर पा रही है। सभी ने देखा कि बुधवार (वास्तव में गुरुवार) को लोकसभा से वक्फ संशोधन विधेयक भी पारित हो गया। ऐसे में सरकार को न तो निर्णय लेने और न ही निर्णय को लागू कराने में परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा, ÷एक ऐसा भ्रम फैला हुआ है कि मोदी 3.0 कमजोर है, लेकिन यह कहीं से भी कमजोर नहीं है। सरकार विकसित भारत के लिए लगातार अग्रसर है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार 3.0 ने वक्फ संशोधन विधेयक को संसद के निचले सदन लोकसभा से पारित करा लिया है। खबर लिखे जाने तक राज्यसभा में विधेयक पर चर्चा जारी थी। एनडीए में शामिल बिहार के दो घटक दल जदयू और एलजेपी (आर) के सांसदों ने बिल के समर्थन में वोटिंग की।

संपादक की कलम से

'नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती'

बुलडोजर राज पर लौटते हैं। आखिर छह महीने पहले भी क्यों सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा था कि एक पखवाड़े तक बुलडोजर नहीं चलेगा तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा? न्यायालय की टिप्पणी थी कि, 'कानून दरअसल किसी के भी घर को महज इसलिए गिराए जाने की आज्ञा नहीं देता कि वे किसी मामले में आरोपी हैं; और ऐसा तो किसी दोषी के मामले में भी नहीं किया जा सकता।'

एक आठ साल की बच्ची बुलडोजर से ढहते और जलते हुए घर से अपनी किताबें निकालकर दौड़ती है ताकि यह तबाही उसकी पढ़ाई को न रौंद दे। यह दृश्य वाकई बहुत क्रूर है, संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है और भारत का कानून कभी इसकी अनुमति नहीं देता है। कानून इस बात की भी इजाजत नहीं देता है कि पुलिस मुठभेड़ में मार दिए गए आरोपी के परिवार के घरों को शासन का अमला जमींदोज कर दे और फिर प्रचारित करे कि यह हमारा 'बुलडोजर जस्टिस' है। यह भारतीय संविधान की उस भावना की भी अवहेलना है जो मानती है कि अपराध साबित होने तक हर आरोपी निर्दोष है, किसी एक के अपराध की सजा उसके परिवार को नहीं दी जा सकती। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के दो जज जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की संयुक्त पीठ ने कहा- 'नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती।'

ये मामले हमारे विवेक को झकझोर देते हैं। यह कानून और मानवता के खिलाफ है।' कोर्ट ने 'बुलडोजर न्याय' को बुलडोजर अन्याय साबित करते हुए प्रत्येक परिवार को दस-दस लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश भी दिया। केवल आरोप और शक के आधार पर किसी का घर बुलडोज कर देने की यह बीमारी भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के साथ छूत की तरह अन्य राजनीतिक दलों को भी लग रही है। सवाल यह है कि यह लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकारें ऐसे तमाम फंडे क्यों अपनाने लग जाती हैं कि लगता है जैसे देश में कानून का राज समाप्त हो गया हो? उत्तर प्रदेश सरकार के वकील का तर्क था कि दस लाख के मुआवजे की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि अपील करने वालों के पास नए घर हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय ने लगभग फटकार लगाते हुए कहा कि 'इससे प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को गलती का एहसास होगा और प्राधिकरण भविष्य में कानूनी प्रक्रिया का पालन करना याद रखेगा।' वैसे देखने में यही आया है कि सरकारें ऐसी घटनाओं को गलत नहीं मानतीं। तभी प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी कह दिया है कि बुलडोजर का उपयोग जरूरत है, कोई उपलब्धि नहीं।

मामला करीब चार साल पुराना है। मार्च 2021 में प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने लूकरगंज क्षेत्र के मकानों को केवल एक दिन के नोटिस पर बुलडोजर से ढहा दिया। इसका वायरल वीडियो, जिसमें एक आठ साल की बच्ची आग और बुलडोजर से अपनी किताबों को बचा रही है, वह पिछले माह का है। दृश्य, जिसने सर्वोच्च अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दिया था, उसमें उत्तरप्रदेश के अंबेडकर नगर के अरई गांव की बच्ची अनन्या यादव है। वह पहली कक्षा में पढ़ती है। उस दिन 24 मार्च को उसने रोज की तरह स्कूल से आकर अपने छप्पर में बस्ता रखा ही था कि आग लग गई। उस छप्पर में अनन्या का परिवार जानवरों को बांधता है। एक तरफ आग लगी थी, दूसरी ओर पुलिस तथा नगर निगम का अमला ं को उसने रोज की तरह स्कूल से आकर अपने छप्पर में बस्ता रखा ही था कि आग लग गई। उस छप्पर में अनन्या का परिवार जानवरों को बांधता है। एक तरफ आग लगी थी, दूसरी ओर पुलिस तथा नगर निगम का अमला नन्या (उस जैसा कोई नहीं) ही है लेकिन यह कितना डरावना है कि सरकारें कोई भी हों, अतिक्रमण हटाने के नाम पर आए दिन घरों को उजाड़ती हैं। ये दस्ते जब इन जगहों पर पहुंचते हैं तो चीत्कार का आलम होता है। इनके बुलडोजरों के आगे घर की महिलाएं लेट जाती हैं, हाथ जोड़ती हैं, आंसुओं से विनती करती हैं; लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजता। ये सब जैसे एक राक्षस में तब्दील होकर हुकुम की तामील में लग जाते हैं। इन पीड़ितों के चेहरे उन चेहरों से कतई अलग नहीं होते जो युद्ध और दंगा पीड़ितों के होते हैं। इनकी आखों में उसी भय और पीड़ा को पढ़ा जा सकता है। अफसोस कि प्रशासन के दिल और दिमाग भी इन्हीं बुलडोजरों जैसे सख्त होते हैं और अब सख्ती को ही उन्होंने अपना शगल बना लिया है। सवाल यही है कि इस शासन के पीछे जो नेता हैं वे क्यों जनता के समर्थन से जीतने के बाद जनता का ही दमन करने लगते हैं?

पूछने पर इस सवाल का प्रभावी जवाब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आता है। उसके मुताबिक बहुत बार ऐसा होता है कि लोकतांत्रिक तरीके से ही तानाशाह भी सत्ता में आ जाते हैं। अपनी हार के डर से वे संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं, विपक्ष की आवाज को दबाते हैं और स्वतंत्र मीडिया को मौन कर देते हैं। आलोचकों और विरोधियों को चुप करने के लिए कानूनी पेंचों का इस्तेमाल करते हैं और कभी-कभार कानून बदलकर अपनी ताकत बढ़ाते हैं। मकसद केवल एक होता है- सत्ता लंबे वक्त तक उनकी बनी रहे। कोई-कोई तो हमेशा के लिए। देशों की बात करें तो रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्ष आजीवन पद पर बने रहने का इंतजाम कर चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी अमेरिकी संविधान में संशोधन करना चाहते हैं ताकि तीसरी बार सत्ता संभाल सकें। कायदे से वहां एक व्यक्ति केवल दो बार राष्ट्रपति बन सकता है। यह अलग बात है कि वहां के लोग अब पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को भी तीसरी बार पद पर देखने की ख्वाहिश जाहिर कर रहे हैं।

लापरवाह रवैया

दुनिया में प्रदूषण की स्थिति बहुत गंभीर है। बढ़ते प्रदूषण से न केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं, बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। वायु प्रदूषण की वजह से दुनिया को हर साल 8.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है। वायु प्रदूषण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित हाशिए पर पड़े लोगों को असमान रूप से प्रभावित करता है। प्रदूषण की वजह से दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में 6.1 फीसदी की कमी आती है। साथ ही हर साल 1.2 बिलियन कार्य दिवसों का नुकसान होता है। दुनिया के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 13 भारत के ही हैं, जिनमें राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली दूसरे स्थान पर है। भारत में जल के लगभग 70 प्रतिशत स्रोत प्रदूषित हो चुके हैं।

देश में वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण पर नजर रखने के लिए 2018 में प्रदूषण नियंत्रण योजना शुरू की गई थी और इसके लिए पूरी राशि सरकार ही उपलब्ध करा रही है। सरकार का राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 5.4 फीसदी वायु प्रदूषण पर खर्च करता है, लेकिन प्रदूषण नियंत्रण के लिए 2024-25 में 858 करोड़ रुपये के बजट का केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी के अभाव में उपयोग नहीं हो सका। चालू वित्त वर्ष समाप्त होने वाला है, ऐसे में यह स्थिति प्रदूषण को लेकर लापरवाह रवैया एवं ठोस योजना के अभाव की तरफ इशारा कर रही है।

संसदीय समिति की रिपोर्ट के मुताबिक हैरत की बात है कि पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सरकार ने 858 करोड़ रुपये में से एक प्रतिशत भी पैसा खर्च नहीं किया। प्रदूषण नियंत्रण योजना के तहत, केंद्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और समितियों को वित्तीय सहायता और राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के लिए पैसे मुहैया कराता है, जिसका उद्देश्य 131 अत्यधिक प्रदूषित शहरों में प्रदूषण को 40 प्रतिशत तक कम करना है। वास्तव में भारत में प्रदूषण की गंभीर स्थिति पिछले कई वर्षों से वैश्विक सुर्खियों में रही है। देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखना चाहिए और इसमें किसी प्रक्रियात्मक देरी जैसे अनुमति मिलने में देरी की भी गुंजाइश नहीं है। ऐसे में संसदीय समिति की रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। सवाल उठता है कि ऐसी योजना के लिए अनुमति समय रहते क्यों नहीं मिलती है।

गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

-ललित गर्ग-

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए?

वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते?

पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं। जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे आस-पास रहने वाले अबोध जानवरों के पेट में ही पहुंच रहा है, तो आप गलत हैं।

शीर्ष अदालत की सीख

उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस चौंकाने वाले असंवेदनशील और अमानवीय आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की के निजी अंग पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना दुष्कर्म के प्रयास के अपराध की श्रेणी में नहीं आता। गौरतलब है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 17 मार्च-2025 को अपने आदेश में कहा था कि इस तरह के कृत्य प्रथम दृष्टया यौन अपराध बाल संरक्षण अधिनियम (पास्को) के तहत ह्यगंभीर यौन उत्पीड़नह्ल का अपराध बनेंगे, जिसमें कम सजा का प्रावधान है।

मामला कासगंज में 11 साल की एक लड़की से जुड़ा है, जिस पर 2021 में दो लोगों ने हमला किया था। उच्च न्यायालय का यह फैसला शुरू से ही विवाद के दायरे में था और कानून विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई थी कि इस फैसले को उचित तरीके से पलटा जाएगा और न्याय होगा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश में की गई विवादास्पद टिप्पणियों पर शुरू की गई स्वतः संज्ञान कार्यवाही में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य को भी नोटिस जारी किया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी कहा कि यह एक चौंकाने वाला फैसला था। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि फैसला उच्च न्यायालय ने अचानक नहीं सुनाया बल्कि करीब चार महीने तक इसे सुरक्षित रखने के बाद सुनाया। इसका मतलब यह है कि न्यायाधीश ने उचित विचार-विमर्श के बाद फैसला सुनाया। चूंकि टिप्पणियां पूरी तरह असंवेदनशील और अमानवीय दृष्टिकोण को दशार्ती हैं, इसलिए टिप्पणियों पर रोक लगाना मजबूरी है। हालांकि शीर्ष अदालत ने न्यायाधीश के खिलाफ कड़े शब्दों का उपयोग करने के लिए खेद जताया। वास्तव में सामान्य परिस्थितियों में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश इस स्तर पर किसी फैसले पर रोक लगाने से बचते हैं। परंतु संदर्भित फैसले में की गई टिप्पणियों पर रोक लगाते हुए जो अहम बात कही कि रोक का मतलब है कि किसी तरह की विधिक प्रक्रिया में इनका आगे प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। कानून विशेषज्ञों की राय में न्यायाधीशों को संयम बरतना चाहिए। क्योंकि इस तरह की टिप्पणियों से न्यायपालिका में लोगों का भरोसा कम होता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले ने बलात्कार के प्रयास जैसे जघन्य अपराध को कमतर करके आंका है, जो न्याय का उपहास है।

संविधान से बड़ी छेड़छाड़ का रास्ता खुला

अपनी संख्या बल के आधार पर चाहे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस (एनडीए) की सरकार ने देश के वक्फ कानून में अपनी मर्जी का बदलाव करने में सफलता पा ली हो, लेकिन जो संदेश इसे पारित करने के लिये, खासकर लोकसभा में हुए मतदान ने जनता को दिया है उससे सम्भवतः देश के अल्पसंख्यकों को यह जानने में मदद मिलेगी कि उनकी जगह क्या है, उनके खैरख्वाह कौन हैं और कौन अहित चाहते हैं। लोकसभा ने बुधवार को 288 के मुकाबले 232 वोटों के बहुमत से वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 को पारित कर दिया तथा गुरुवार को राज्यसभा में दिन भर से इस पर चर्चा जारी है। इस सदन में 236 सदस्य हैं। बिल को पास करने के लिये 119 सदस्य चाहिये जबकि भाजपा के इसमें 98 सदस्य हैं। लोकसभा में इस विधेयक के पक्ष में विरोधी खेमे के 5 सदस्यों के वोट पड़े थे। राज्यसभा में भाजपा आवश्यक आंकड़ा प्राप्त करती है या नहीं, यह देखना होगा। हालांकि इस सदन में प्रस्ताव गिर भी जाये तो भी सरकार को फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि बाद में उसे दोबारा भेजकर संवैधानिक नियमों के तहत पारित करा ही लिया जायेगा। इसे उच्च सदन पूरी तरह से रोक नहीं पायेगा।

इस कानून के एक तरह से अस्तित्व में आ जाने के बाद अब वक्त है कि अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम सोचें कि उन्हें आगे क्या करना है। यह ऐसा समय है जब उन्हें समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल और व्यक्ति उनका वाकई भला चाहते हैं और किन दलों ने इस विधेयक को पारित कराने में सहयोग देकर उन्हें कमजोर करने का मार्ग प्रशस्त किया है। वैसे तो मतदान का जो पैटर्न दिखा तथा विधेयक के पक्ष-विपक्ष में जो तर्क दिये गये, वे बता देते हैं कि कौन सा दल उनके पक्ष में खड़ा है। कोई यह न सोचे कि यह पैटर्न वक्फ कानून पर

मतदान तक ही सीमित रहेगा। पहली बार 8 अगस्त, 2024 को जब यह विधेयक संसद में पेश हुआ था, तब उस पर हुई चर्चा, तत्पश्चात उसे संयुक्त संसदीय समिति में भेजे जाने तक कुछ दलों का रवैया आश्चर्यजनक ढंग से तथा उम्मीदों के विपरीत भाजपा के प्रति सहयोगात्मक रहा। ये वे दल हैं जो वक्फ कानून पर सरकार से बात कर सकते थे। इनमें से कम से कम दो तो ऐसी पार्टियां हैं ही जो अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षक मानी जाती रही हैं और उन्हीं पर सरकार टिकी हुई है। यदि एक बार भी वे समर्थन वापसी की धमकी देते तो यह विधेयक भाजपा सरकार अलमारी में बन्द कर देती। ये दोनों दल हैं- आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड जिसके क्रमशः 16 और 12 सदस्य हैं। दोनों ही अल्पसंख्यक समर्थक पार्टियां कहलाती हैं लेकिन इस विधेयक को उनके मिले समर्थन ने यह भरम तोड़ दिया। इस विधेयक पर चर्चा ने सियासी समीकरणों को तथा सत्ता के लिये विचारधारा की कुर्बानियों को और भी स्पष्ट कर दिया है। इस कानून को पारित कराकर भाजपा यह बताने में कामयाब रही है कि इस लोकसभा के चुनाव में उसे चाहे कम सीटें मिली हों लेकिन जनता अब भी उसके साथ है तथा एनडीए को कोई खतरा नहीं है। जेडीयू व टीडीपी के सांसदों के अलावा राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी एवं जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान से भी अल्पसंख्यकों व धर्मनिरपेक्षता में यकीन करने वालों को उम्मीद थी कि वे उनके पक्ष वाली लाइन पर चलेंगे लेकिन वे भी सरकार के साथ रहे। इनमें से कई मंत्री व सांसद तो अपने भाषणों में भाजपा ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी मात देते हुए नजर आये। कोई यह न समझे कि संदेश केवल अल्पसंख्यकों से सम्बन्धित इस विधेयक तक ही सीमित है। यही हाल दलितों व ओबीसी से सम्बन्धित किसी भी फैसले के वक्त होगा- फिर चाहे वह उनके खिलाफ ही क्यों न हो। यह अवसर न केवल अल्पसंख्यकों को राजनीतिक विचारधारा तथा सियासी दलों के साथ अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने का है, बल्कि दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, अति पिछड़े वर्गों और आदिवासियों के बारे में यह कहा जा सकता है। सत्ता सुख के लिये ये पार्टियां वक्फ कानून को समर्थन दे सकती हैं तो आश्चर्य नहीं होगा अगर ये दल दलितों, ओबीसी और आदिवासियों के हितों पर कुठाराघात करने वाले निर्णयों पर भी सरकार का साथ दें। इस विधेयक ने अल्पसंख्यकों, दलितों, ओबीसी तथा आदिवासियों को यह सोचने का अवसर भी दिया है कि वे देखें कि उन्होंने अपनी नुमाइंदगी किन लोगों और सियासी दलों के हाथों में सौंप रखी है। एनडीए के उन दलों को वक्फ कानून पर न्यूनतम सतर्कता बरतनी चाहिये थी जिनका सामाजिक न्याय में विश्वास है, परन्तु वे यदि वक्फ कानून में आये इन बदलावों के दुष्परिणामों को समझने में नाकाम हैं तो उनसे उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे आगे किसी भी मामले में नरेन्द्र मोदी को आंखें दिखा सकेंगे। इस विधेयक के पारित होने से विपक्षी गठबन्धन की एकता की आवश्यकता पुनः प्रतिपादित हुई है। अपने लिए मुसीबत मोल नहीं लेगी; लेकिन इस सफलता से वह उत्साहित होकर संविधान से बड़ी छेड़छाड़ भी कर सकती है।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ओली ने क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर दिया जोर

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा है कि बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के तीन स्तंभ समृद्धि, लचीलापन और खुलापन न केवल सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं, बल्कि नेपाल की समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली की राष्ट्रीय आकांक्षा के साथ गहराई से प्रतिध्वनित भी होते हैं। थाईलैंड के बैंकॉक में शुक्रवार को बिम्सटेक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि बिम्सटेक को न केवल बदलते समय के साथ खुद को ढालना चाहिए, बल्कि हमारे क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के अवसर का भी लाभ उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, बंगाल की खाड़ी क्षेत्र का निर्माण हमारी क्षमता को और अधिक उपयोग करने और हमारे पास मौजूद संसाधनों के सही उपयोग के लिए किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह मानते हुए कि हमारे क्षेत्र की सभी अर्थव्यवस्थाएं समान नहीं हैं, हमें सदस्य राज्यों को विशेष जरूरतों के साथ तरजीही समर्थन देना चाहिए, ताकि वे आम समृद्धि साझा कर सकें। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन ने पूरी मानवता के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा कर दिया है, इसलिए नेपाल की विशेष जिम्मेदारी बनती है। ओली ने कहा कि हमारे उच्च हिमालय बारहमासी जल टावर और एशिया के कूलिंग स्टेशन हैं।

काठमांडू विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में शामिल, अनावश्यक बाहर न निकलने की हिदायत

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू पिछले दो दिनों से विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहर बन रहा है। अत्यधिक प्रदूषण के कारण आम लोगों में आंखों में जलन, सीने में दर्द, दम घुटने जैसी शिकायतें आम हो गई हैं। सरकार ने अनावश्यक घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। काठमांडू बीते मंगलवार से लगातार ही विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में शामिल हो रहा है। दिनभर धुंध के कारण धूप का प्रकाश नहीं पहुंच पा रहा है। इस समय राजधानी के अस्पतालों में लोग अपनी आंखों में जलन और सांस लेने में कठिनाई तथा दम घुटने जैसी शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। पर्यावरण विभाग के अनुसार, काठमांडू का वायु प्रदूषण एक अस्वास्थ्यकर स्तर पर पहुंच गया है, जिससे यह दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बन गया है। आईक्यू एयर के आंकड़ों से पता चलता है कि शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बुधवार को 268 पर पहुंच गया, जो 151-200 की अस्वास्थ्यकर सीमा को पार कर गया और 300 से ऊपर खतरनाक स्तर के करीब है। काठमांडू के अस्पतालों में आंखों में जलन, गले में खराश, लगातार खांसी और श्वसन संकट से पीड़ित रोगियों में तेज वृद्धि हुई है। पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. राजू पंगेनी ने कहा कि हाल के दिनों में उन्होंने जिन रोगियों का इलाज किया है, उनमें से आधे से अधिक वायु प्रदूषण के कारण श्वसन संबंधी समस्याएं विकसित हुई हैं।

भारत ने नेपाली वस्तुओं के आयात पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाया

काठमांडू। भारत ने नेपाल में निर्मित सीमेंट, नालीदार चादरें और प्लाई लकड़ी सहित विभिन्न वस्तुओं पर भारतीय मानक प्रमाण पत्र ब्यूरो के नए सिरे से लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया है। बैंकाक में शुक्रवार की शाम को दोनों देशों के प्रधानमंत्री की साइडलाइन मुलाकात से पहले भारत की तरफ से प्रतिबंध को हटाना एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। नेपाल के उद्योग, वाणिज्य और आपूर्ति मंत्री दामोदर भंडारी ने शुक्रवार को बताया कि भारत को नेपाली वस्तुओं के निर्यात और भारतीय बाजारों में माल की बिक्री और वितरण के लिए सुविधा प्रदान करने के भारत सरकार से किए गए आग्रह को उधर से स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कुछ महीने पहले अपनी भारत यात्रा के दौरान भारतीय समकक्ष पीयूष गोयल के साथ नेपाल की वस्तुओं पर लगे प्रतिबंध को हटाने के लिए आग्रह किया था। मंत्री भंडारी ने कहा कि गत 11 और 12 जनवरी को नेपाल-भारत वाणिज्य सचिव स्तर की बैठक में इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा हुई थी। इसके बाद भारतीय पक्ष ने समस्याओं को हल करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। भारत ने सीमेंट, नालीदार चादरें, सैनिटरी पैड और जूते सहित वस्तुओं के निर्यात पर बीआईएस को अनिवार्य कर दिया है।

यूएई में भारतीय प्रवासी केरल की महिला की सड़क हादसे में मौत

अबू धाबी। यूएई में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में भारतीय प्रवासी केरल की महिला 53 वर्षीय साजिनाबानू सी की मौत हो गई। वे ईद पर अल ऐन में छुट्टियां मनाकर परिवार के सदस्यों के साथ कार से लौट रही थीं। उनके दो बेटे हैं। परिवार ने बताया कि दुर्घटना के समय वह अपने पति, छोटे बेटे और एक भतीजे के साथ कार में थीं। उनके बहनोई ने कहा कि अलग-अलग कारों में सात परिवार के सदस्य सवार थे। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, गृहिणी साजिनाबानू सी के पति एक कंपनी में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उनके दोनों बेटे यूएई में पैदा हुए और पले-बढ़े। बड़ा बेटा भारत के केरल में डॉक्टर है। छोटा बेटा दुबई में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा है। एक अन्य रिश्तेदार ने बताया कि ईद-उल-फितर की छुट्टियों के लिए वह लोग सोमवार को अल ऐन के सुदूर इलाके में स्थित एक फार्महाउस में ठहरे थे।

विनाशकारी भूकंप के बाद महसूस किए गए 66 झटके, 3,085 की मौत, 4,715 घायल

एजेंसी

यांगून। म्यांमार में शुक्रवार को देश में आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के भी झटकों (आफ्टरशॉक) का सिलसिला जारी है। देश के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता के 66 झटके महसूस किए गए। इस बीच, राज्य प्रशासन परिषद (एसएसी) के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि म्यांमार सरकार भूकंप राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए 500 अरब क्यात (लगभग 238.09 मिलियन डॉलर) आवंटित करेगी। सरकारी दैनिक 'द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार के नेता ने यह बयान मंगलवार को ने-पी-ताव में एक नकद दान समारोह में दिया। कार्यक्रम में शुभचिंतकों ने 104.44 बिलियन क्यात (49.71 मिलियन

डॉलर) नकद और 12.4 बिलियन क्यात (5.9 मिलियन डॉलर) मूल्य की गैर-नकद वस्तुएं दान कीं। शुक्रवार को म्यांमार में आए घातक भूकंप के बाद, सैन्य शासक मिन आंग ह्लाइंग ने अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की। 31 मार्च तक 16 देशों और क्षेत्रों से बचाव दल, डॉक्टर और नर्सें मानवीय सहायता और मेडिकल स्प्लाई के साथ म्यांमार पहुंच चुकी हैं। स्थानीय दैनिक म्यांमा एलिन के अनुसार, म्यांमार में आए 18 शक्तिशाली भूकंपों में से 7.7 तीव्रता का भूकंप दूसरा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इससे पहले 1912 में देश में 8.0 तीव्रता का भूकंप आया था। राज्य प्रशासन परिषद सूचना टीम के अनुसार, भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,085 हो गई है, 4,715 लोग घायल हुए हैं और 341 अभी भी लापता हैं। म्यांमार रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष म्यो न्युंट ने कहा कि मौजूदा बचाव अभियान में मुख्य चुनौतियों में आपदा आकलन और रसद समन्वय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण, बचाव दलों को आपूर्ति वितरित करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, खास तौर पर भारी मशीनरी की कमी के कारण।

भूकंप के बाद दो एयरपोर्ट फिर से परिचालन शुरू करने को तैयार

एजेंसी

यांगून। विनाशकारी भूकंप के बाद म्यांमार के ने प्यी ताव इंटरनेशनल एयरपोर्ट और मांडले इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्थानीय यात्रा सेवाएं फिर से शुरू होने वाली हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने म्यांमार रेडियो और टेलीविजन से मिली जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि भूकंप के बाद दोनों एयरपोर्ट पर अस्थायी रूप से उड़ानें रोक दी गई। नागरिक उड्डयन विभाग के अनुसार, मांडले इंटरनेशनल एयरपोर्ट 4 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे फिर से खुलेगा। इसके अलावा ने प्यी ताव इंटरनेशनल एयरपोर्ट 5 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे परिचालन दोबारा शुरू करेगा। म्यांमार में शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के भी झटकों (आफ्टरशॉक) का सिलसिला जारी है। देश के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता के 66 झटके महसूस किए गए। राज्य प्रशासन परिषद सूचना टीम के अनुसार, भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,085 हो गई है, 4,715 लोग घायल हुए हैं और 341 अभी भी लापता हैं। इस बीच, राज्य प्रशासन परिषद (एसएसी) के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि म्यांमार सरकार भूकंप राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए 500 अरब क्यात (लगभग 238.09 मिलियन डॉलर) आवंटित करेगी। सरकारी दैनिक द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार के नेता ने यह बयान ने-पी-ताव में एक नकद दान समारोह में दिया। कार्यक्रम में शुभचिंतकों ने 104.44 बिलियन क्यात (49.71 मिलियन डॉलर) नकद और 12.4 बिलियन क्यात (5.9 मिलियन डॉलर) मूल्य की गैर-नकद वस्तुएं दान कीं।

ऑस्ट्रेलिया के बाढ़ प्रभावित इलाके में थमी बारिश, राहत कार्यों में तेजी की उम्मीद

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के बाढ़ प्रभावित इलाके में भारी बारिश थम गई है। हालांकि बाढ़ की कई हफ्तों तक जारी रहने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने बताया कि क्वींसलैंड राज्य के दक्षिण-पश्चिम और मध्य इलाकों में जो भारी बारिश हुई थी, अब वह बारिश खत्म हो गई है। बीओएम के डीन नैरामोर ने कहा, यह अच्छा है कि दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड में अब बारिश का सिलसिला खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, हालांकि बारिश रुक गई है, लेकिन दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड में बाढ़ कई दिनों, या शायद हफ्तों तक जारी रह सकती है।

न्यू साउथ वेल्स राज्य के आकार का एक क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुआ है, कुछ स्थानों पर बाढ़ का पानी 1974 में स्थापित रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया है, तथा दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड की प्रत्येक नदी बाढ़ के उच्च स्तर पर है। इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों (जो मुख्यतः पशुपालन से जुड़े हैं) को पहले ही घर छोड़ देने के लिए कह दिया गया था। सैकड़ों घर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते

हुए क्वींसलैंड के प्रीमियर डेविड क्रिसफुली ने ब्रिसबेन से लगभग 1,000 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में लॉन्गरीच शहर में मीडिया से कहा कि बाढ़ में 150,000 से अधिक मवेशी या तो मर गए हैं या लापता हैं। क्रिसफुली ने कहा, 'चाहता हूं कि क्वींसलैंड के लोग समझें कि यह कितना बड़ा संकट है। कृषि इन समुदायों का मुख्य स्रोत है और उन्हें फिर से खड़ा होने में काफी समय लगेगा। इस सुधार में महीनों और सालों का वक्त लगेगा। क्वींसलैंड के प्रीमियर ने प्रभावित प्राथमिक उत्पादकों के लिए 75,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (46,881.5 डॉलर) तक की सहायता अनुदान की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए समुदायों की सहायता करने के लिए संघीय सरकार के साथ काम कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक बाढ़ से 5,000 किलोमीटर निजी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू, सैंकड़ों को पकड़ कर शिविरों में भेजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने अफगान नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। इसके तहत अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों सहित सैकड़ों अवैध विदेशियों को गिरफ्तार किया गया, और फिर उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए शिविरों में भेज दिया गया।पाकिस्तान में अफगान नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय-सीमा के बाद सैकड़ों अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया गया है और उनके परिवारों के साथ उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा बलों को जारी निर्देशों से पता चलता है कि यदि कोई भी अफगान नागरिक आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो पूरे परिवार को निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। काबुल में तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद से पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया में देरी का अनुरोध किया था, लेकिन इस्लामाबाद इसमें ढील देने के मूड में नहीं है। अफगान सरकार ने कहा, उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने नए सिरे से कार्रवाई की घोषणा की है, जिसमें कहा गया कि वह बिना कानूनी निवास परमिट वाले व्यक्तियों को निर्वासित करेगा, जबकि वैध कार्डधारकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान में यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि फिलिप कैंडलर ने कहा, पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अनिश्चित काल तक अफगान शरणार्थियों की मेजबानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए। मानवीय सहायता की जरूरत है, न केवल अल्पकालिक राहत के लिए बल्कि दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देने के लिए भी। समय सीमा को आगे न बढ़ाने और कार्रवाई शुरू करने का निर्णय पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच हुई बैठक के दौरान लिया गया। सरकारी प्राधिकारियों ने कड़ी चेतावनी जारी की थी कि 31 मार्च तक देश नहीं छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में अफगान शरणार्थियों को रखने के लिए कम से कम 43 शिविर स्थापित किए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि अधिकारी छापेमारी करेंगे और देश में अवैध रूप से रह रहे अफगानों को हिरासत में लेंगे, जिन्हें फिर शरणार्थी शिविरों में स्थानांतरित किया जाएगा। फिर उन्हें प्रत्यावर्तन के लिए तोरखम पाक-अफगान सीमा पर लांडी कोटल क्षेत्र में ले जाने से पहले सूचीबद्ध किया जाएगा।

भारत और थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत, प्रमुख क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर

एजेंसी

बैंकॉक। भारत और थाईलैंड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड की पीएम पैतोंगतार्न शिनावात्रा के बीच व्यापक चर्चा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। बाद में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत-थाईलैंड सामरिक साझेदारी की स्थापना पर संयुक्त घोषणा के अलावा, डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता हुआ। इस संबंध में थाईलैंड के डिजिटल अर्थव्यवस्था और समाज मंत्रालय तथा भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला डिविजन तथा थाईलैंड के ललित कला विभाग, संस्कृति मंत्रालय के साथ एक

समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) के विकास को लेकर है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) और थाईलैंड के लघु और मध्यम उद्यम संवर्धन कार्यालय (ओएसएमईपी) के बीच एक अन्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और थाईलैंड की एक्ट वेस्ट नीति एक-दूसरे की पूरक हैं और कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के अवसर खोलती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने थाई पीएम के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, ÷हमने थाईलैंड और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया। हमने बढ़ते आपसी व्यापार, निवेश और व्यापारिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। एमएसएमई, हथकरघा और हस्तशिल्प के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भी समझौते किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल टेक्नोलॉजी, ई-व्हीकल, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप में सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया। भौतिक संपर्क बढ़ाने के अलावा, दोनों देश फिनटेक संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भी काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वार्ता में भारत-थाईलैंड रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई जिसमें रक्षा, सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और जल विज्ञान जैसे रणनीतिक क्षेत्र शामिल हैं।

विनाशकारी भूकंप के बाद सैन्य सरकार का अस्थायी संघर्ष विराम का ऐलान

एजेंसी

नेपीडॉ। म्यांमार की सैन्य सरकार ने 22 अप्रैल तक के लिए अस्थायी संघर्ष विराम की घोषणा की है। देश में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद राहत और पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए यह घोषणा की गई है। म्यांमार के रक्षा सेवा कमांडर-इन-चीफ कार्यालय ने बयान जारी कर कहा, भूकंप पीड़ितों के प्रति सहानुभूति और राहत कार्यों को तेज करने के लिए यह संघर्ष विराम लागू किया जा रहा है। इसके साथ ही, देश में शांति और स्थिरता बनाए रखने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 28 मार्च को आए इस भीषण भूकंप और उसके कुछ मिनट बाद 6.4 तीव्रता के आफ्टरशॉक ने मांडले क्षेत्र समेत कई इलाकों में भारी तबाही मचाई। सड़कों, पुलों और इमारतों को गंभीर नुकसान हुआ, जिससे बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। सैन्य सरकार ने अपने बयान में साफ किया कि संघर्ष विराम के दौरान कोई भी सशस्त्र समूह नागरिकों के यातायात मार्ग में बाधा नहीं डालेगा, आम जनता या उनकी संपत्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा, सुरक्षा बलों के शिविरों या सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं करेगा और किसी भी प्रकार की सैन्य लामबंदी या क्षेत्रीय विस्तार पर रोक रहेगी। बताया गया कि अगर कोई गुट इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो सेना आवश्यक सुरक्षा कदम उठाएगी। इससे पहले, म्यांमार के प्रधानमंत्री और सैन्य प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग ने जातीय सशस्त्र संगठनों के संघर्ष विराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा था कि कुछ सशस्त्र गुट भले ही अभी युद्ध में शामिल न हों, लेकिन वे हमले की तैयारी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का बैंकॉक में जोरदार स्वागत, बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

बैंकॉक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैंकॉक पहुंचे। उनका भारतीय प्रवासियों ने 'मोदी मोदी' और 'वंदे मातरम' के नारे लगातार गर्मजोशी से स्वागत किया। थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सूरिया जुंगरुंगरेंगकिट सहित कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'बैंकॉक, थाईलैंड में उतरा। आगामी आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने, भारत और थाईलैंड के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।' प्रधानमंत्री मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं। वह 4 अप्रैल को क्षेत्रीय नेताओं के साथ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। पीएम मोदी भारत-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए थाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। बैंकॉक में आगमन के बाद,

प्रधानमंत्री का भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है, जिसमें वह भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक संबंधों को रेखांकित करेंगे। इससे पहले, अपने प्रस्थान वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा, ÷प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनवात्रा के निमंत्रण पर, मैं आज थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा और छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना हो रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'पिछले दशक में, बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क, आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिम्सटेक के केंद्र में है। प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक नेताओं के साथ बातचीत के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ÷मैं बिम्सटेक देशों के नेताओं से मिलने और हमारे सहयोग को और मजबूत करने के लिए रचनात्मक रूप से बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। बिम्सटेक एक क्षेत्रीय समूह है जिसमें बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के सात सदस्य देश शामिल हैं। दक्षिण एशिया से पांच (बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका) और दक्षिण पूर्व एशिया से दो (म्यांमार और थाईलैंड)। यह समूह दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में कार्य करता है।

वाशिंगटन में चाकू से हमले में छह लोग जखमी, हिरासत में लिया गया संदिग्ध

एजेंसी

वाशिंगटन। वाशिंगटन में एक व्यक्ति ने लोगों पर चाकू से हमला किया। इस हमले में छह लोग घायल हो गए। कथित तौर पर हमलावर नशे की हालत में था और उसकी मनोदशा ठीक नहीं थी। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्ध अब हिरासत में है। यह घटना दोपहर करीब 3:22 बजे मोंटेलो एवेन्यू और मेग्स प्लेस एनई के पास हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। वाशिंगटन पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ के अनुसार, संदिग्ध ने पहले सड़क पर चलते समय खुद को चाकू मारा और फिर अपने साथ मौजूद एक महिला परिचित पर हमला किया। इसके बाद उसने दूसरों पर भी चाकू से हमला किया, इनमें दो वो लोग भी शामिल थे जो इस हमले को रोकने की कोशिश में थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने एक्स पर घोषणा की अलर्टः हम मोंटेलो एवेन्यू और सिम्स प्लेस एनई के इलाके में चाकू से हमला करने की घटना की जांच कर रहे हैं। अगर आपके पास कोई जानकारी है, तो 202-727-9099

पर कॉल करें या 50411 पर टेक्स्ट करें। स्मिथ ने कहा कि बेवजह हमले के परिणामस्वरूप चार महिलाओं और दो पुरुषों को क्षेत्रीय अस्पतालों में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि इनमें एक दादी और उनकी दो पोतियां शामिल हैं। स्मिथ के अनुसार, पीड़ितों की हालत स्थिर है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। उनकी उम्र का खुलासा नहीं किया गया है। स्मिथ के अनुसार, पुलिस ने संदिग्ध को आस-पास के क्षेत्र में जमीन पर पड़ा पाया। हमले में इस्तेमाल किया गया चाकू उससे कुछ फीट की दूरी पर बरामद किया गया। संदिग्ध, जिसका नाम जारी नहीं किया गया है, को अस्पताल ले जाया गया और वर्तमान में उसकी सर्जरी की जा रही है। स्मिथ ने कहा, यह घटना समाज में मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दों को लेकर फिक्रमंद होने की ओर इशारा करती है और इस पर तत्काल एक्शन लेने की आवश्यकता पर जोर देती है घटना के बाद आस-पास की कई सड़कें बंद हैं। जांच जारी रहने के कारण आगे के विवरण की प्रतीक्षा है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को संवैधानिक न्यायालय ने बर्खास्त किया

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को आज पिछले साल की गई अपनी अल्पकालिक मार्शल लॉ की घोषणा के लिए अपने पद से हाथ धोना पड़ा। उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। संवैधानिक न्यायालय ने महाभियोग का सामना कर रहे येओल को उनके पद से तत्काल हटाने की घोषणा की। संवैधानिक न्यायालय ने शुक्रवार सुबह 11:22 बजे अपना फैसला सुनाया। फैसला सुनकर संवैधानिक न्यायालय के बाहर एकत्र लाखों लोग खुशी से उछल पड़े। उन्होंने लोकतंत्र की जीत का जश्न मनाते हुए न्यायालय के पक्ष में नारे लगाए। कोरिया टाइम्स अखबार के अनुसार, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मून ह्यूंग-बे ने राष्ट्रपति यून सुक येओल को पद से तत्काल हटाने की घोषणा की। जैसे ही न्यायालय के बाहर लगी बड़ी टीवी स्क्रीन पर महाभियोग की सजा शब्द दिखाई दिया, लोग उछल पड़े। एक-दूसरे को गले लगाया। कई लोग तो लोकतंत्र की जीत पर फूट-फूट कर रोने लगे। इस दौरान यह लोग काफी देर तक नारा लगाते रहे- विजय! विजय! लोकतंत्र अमर रहे। यह देखकर अपदस्थ नेता यून सुक येओल ने कहा, मुझे सच में खेद है और दिल टूट गया है कि मैं आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका।संवैधानिक न्यायालय ने राष्ट्रपति येओल के महाभियोग को बरकरार रखा।

यून को पद से हटाए जाने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति का स्थिरता बरकरार रखने का वादा

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने शुक्रवार को संवैधानिक न्यायालय के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पद से हटाने के फैसले के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीति में स्थिरता कायम रखने का वादा किया। हान ने टेलीविजन पर प्रसारित राष्ट्रीय संबोधन में कहा, ÷कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेशी मामलों में कोई कमी न रहे, (देश में) एक दृढ़ और अडिग सुरक्षा स्थिति बरकरार रहे।

कार्यवाहक राष्ट्रपति ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में सब कुछ करूंगा कि व्यापार विवाद जैसे ज्वलंत मुद्दों के समाधान में कोई व्यवधान न हो, सार्वजनिक व्यवस्था को दृढ़ता से बनाए रखूंगा ताकि हमारे नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें। संवैधानिक न्यायालय ने सर्वसम्मति से यून के महाभियोग को बरकरार रखा। दिसंबर

में मार्शल लॉ लागू करने के कारण उन्हें पद से हटा दिया।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया को 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना अनिवार्य है। हान ने वादा किया कि वह अगले राष्ट्रपति को नेतृत्व का सुचारु हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, मैं संविधान और कानून का सख्ती से पालन करूंगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अगली सरकार बिना किसी देरी के बने। मैं एक सुचारू और निष्पक्ष राष्ट्रपति चुनाव की देखरेख के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगा।

हान ने सार्वजनिक अधिकारियों से अपने जिम्मेदारी को लगन से निभाने की अपील की। उन्होंने कहा, कृपया यह सुनिश्चित करने के लिए खुद को समर्पित करें कि कोरिया गणराज्य इस संकट से उबर जाए और हमारे नागरिकों का रोजमर्रा का जीवन स्थिर और निर्बाध बना रहे। हान ने राजनीतिक हलकों और नेशनल असेंबली से मतभेदों को दूर रखने और देश के भविष्य के लिए एकजुट होने की अपील की।

हान ने सुरक्षा की जांच के लिए सोल में सरकारी परिसर में केंद्रीय आपदा मुख्यालय का भी दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और प्रदर्शनों से होने वाली किसी भी क्षति या संभावित झड़पों को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया।

एथलीट हर्ष का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के काशीपुर स्थित स्पोर्ट्स हॉस्टल में चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद के थाना कांठ क्षेत्र निवासी एथलीट हर्ष तोमर का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के काशीपुर स्थित स्पोर्ट्स हॉस्टल में चयन हो गया है। हर्ष को प्रवेश के लिए दस्तावेजों का सत्यापन व मेडिकल कराने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। 14 वर्षीय हर्ष ने अपने बड़े भाई यश तोमर को देखकर एथलेटिक्स का अभ्यास शुरू किया। लगातार मेहनत और कोच के मार्गदर्शन से वह जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने लगे। 400 व 800 मीटर दौड़ में जिला स्तर पर वह स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। ओपन स्टेट चैम्पियनशिप में उन्होंने रजत पदक जीता। जबकि राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में पदक से चूक गए। अब उन्हें अपने खेल को निखारने और आगे बढ़ने के लिए साई के स्पोर्ट्स हॉस्टल में दाखिले का मौका मिला है। उनके पिता राजीव तोमर कांठ के रजिस्ट्री कार्यालय में तैनात हैं। उन्होंने हर्ष को आगे बढ़ाने के लिए उनके कोच गौरव कश्यप को श्रेय दिया। हर्ष का लक्ष्य एथलेटिक्स में राष्ट्र स्तरीय पदक जीतकर सेना में नौकरी पाना है।

फीफा फुटबॉल रैंकिंग: भारत 127वें स्थान पर पहुंचा, बांग्लादेश दो पायदान ऊपर चढ़ा

नई दिल्ली। वैश्विक फुटबॉल नियामक संस्था फीफा की ओर से जारी नवीनतम पुरुष रैंकिंग में भारत एक स्थान फिसलकर 127वें स्थान पर आ गया है।मार्च 2025 में एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में ब्लू टाइगर्स को बांग्लादेश से ड्रॉ पर रोका गया था। इस परिणाम से बांग्लादेश को दो पायदान ऊपर चढ़कर 183वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। मिस्र की राष्ट्रीय टीम पिछली रैंकिंग में 33वें स्थान पर रहने के बाद विश्व स्तर पर 32वें स्थान पर पहुंच गई। मोरक्को विश्व स्तर पर 12वें स्थान पर और सेनेगल विश्व स्तर पर 18वें स्थान पर है, जबकि अल्जीरिया अफ्रीका में चौथे और विश्व स्तर पर 36वें स्थान पर है और नाइजीरिया अफ्रीका में पांचवें और विश्व स्तर पर 43वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर अर्जेंटीना ने अपनी बढ़त बनाए रखी, जबकि स्पेन दूसरे स्थान पर पहुंच गया और फ्रांस तीसरे स्थान पर खिसक गया।

इस बार नए प्रारूप में होगी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप, झांसी करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन उत्तर प्रदेश के झांसी में 4 अप्रैल से शुरू होगा। इस बार यह टूर्नामेंट उसी नए डिवीजन-आधारित प्रारूप में खेला जाएगा, जैसा कि मार्च में सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के दौरान अपनाया गया था। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप इस बार पदोन्नति और निर्वासन प्रणाली को भी जोड़ा गया है। प्रतियोगिता में कुल 30 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें तीन डिवीजन - डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में बांटा गया है। यह सभी मैच उत्तर प्रदेश के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम, झांसी में 4 से 15 अप्रैल 2025 तक खेले जाएंगे। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार सुबह 7:00 बजे से शुरू होंगे।

डिवीजन-आधारित प्रतियोगिता का नया प्रारूप

डिवीजन ए में भारत की शीर्ष 12 टीमें शामिल होंगी, जो चैम्पियनशिप खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

डिवीजन बी में टीमें डिवीजन ए में पदोन्नति के लिए संघर्ष करेंगी।

डिवीजन सी की टीमें डिवीजन बी में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी।

में बनेंगे 16 नए बिजली उपकेंद्र, स्थान चिह्नित, पीएम रखेंगे नींव

डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें पिछले वर्षों के प्रदर्शन के आधार पर चुनी गई हैं। गत विजेता हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और उपविजेता हॉकी हरियाणा भी इस डिवीजन का हिस्सा हैं।

दिग्गज बल्लेबाज हैं रोहित: पोलार्ड

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खराब फार्म से जूझ रहे भारतीय ओपनर रोहित शर्मा का बचाव करते हुये मुंबई इंडियंस (एमआई) के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि कुछ मैचों के आधार पर दिग्गज बल्लेबाज की फार्म का आकलन करना सही नहीं है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ शुक्रवार को खेले जाने वाले मैच की पूर्व संध्या पर एक प्रेस कांफ्रेंस में पोलार्ड ने कहा रोहित क्रिकेट के लीजेंड हैं। उनके नाम रिकार्ड बुक में कई रिकार्ड दर्ज हैं। कुछ मैचों के आधार पर उनकी बल्लेबाजी को आंकना सही नहीं होगा। उनका बल्ला कभी भी आग उगल सकता है। उनकी फार्म को तूल देना या उन पर दबाव बनाना नाइंसाफी होगी। गौरतलब है कि रोहित शर्मा आईपीएल के मौजूदा सत्र में फ्लाप रहे हैं। एमआई की तरफ से अब तक खेले गये तीन मैचों में वह सिर्फ 21 रन जोड़ सके हैं। इकाना स्टेडियम की पिच को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा सच कहूं तो मै कोई पिच क्यूरेटर नहीं हूं लेकिन हमें हालात के अनुकूल ढलने का आदी होना चाहिये। विश्व स्तरीय बल्लेबाजों ने कभी पिच के बारे में बात नहीं की है। उन्होने कहा कि मुंबई इंडियंस की शुरुआत ओसत रही है मगर यह टीम वापसी की कुव्वत रखती है।

आईएसएल-दूसरे सेमीफाइनल का पहला मैच : मोहन बागान को पटकनी देकर जमशेदपुर ने बढ़त बनाई

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी ने रात उलटफेर भरी जीत हासिल कर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के दूसरे डबल-लेग सेमीफाइनल में लीग शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जायंट्स 1-0 की बढ़त बनी ली है। मेजबान टीम जमशेदपुर एफसी ने अपने घरेलू मैदान जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए आईएसएल 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में फेवरेट मोहन बागान सुपर जायंट पर 2-1 से उलटफेर भरी जीत दर्ज की। रेड माइनर्स की शानदार जीत में स्पेनिश स्ट्राइकर हावी सिवेरियो ने 24वें और कप्तान व स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर हावी हर्नांडेज ने 90+1वें मिनट में गोल किए। मेजबान टीम के कप्तान हावी हर्नांडेज को निर्णायक गोल करने और पूरे समय मैदान पर मशक्कत करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। जमशेदपुर की अप्रत्याशित जीत से मुख्य कोच खालिद जमील निश्चित तौर पर प्रसन्न होंगे, क्योंकि साल्ट लेक

स्टेडियम में खेले जाने वाले सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में उनकी टीम पर दबाव कम होगा। वहीं, जीत की दावेदार होने के बावजूद मोहन बागान सुपर जायंट की इस हार से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना जरूर निराश होंगे, क्योंकि उनकी टीम को अपने घर पर बेहतर गोल अंतर के साथ जीत हर हाल में हासिल करनी पड़ेगी। मैच का पहला गोल 24वें मिनट में आया, जब स्पेनिश स्ट्राइकर हावी सिवेरियो ने जमशेदपुर एफसी को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। अटैकिंग थर्ड पर बायीं तरफ टच-लाइन से थ्रो-इन पर लेफ्ट-बैक मोहम्मद ओवैस ने गेंद को बॉक्स के अंदर फेंका, जिस पर नियर पोस्ट से नाइजीरियाई सेंटर-बैक स्टीफन ने हैडर से गेंद को फ्लिक करके फार पोस्ट की तरफ पहुंचा, जहां छह गज के खतरनाक इलाके में मौजूद सिवेरियो ने सटीक हैडर लगाया और गेंद टिप्पा खाकर राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में जा उलझी जबकि मोहन बागान सुपर जायंट के गोलकीपर विशाल कैथ के पास बचाव का कोई मौका नहीं था। 37वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने फ्री-किक पर शानदार गोल करके मोहन बागान सुपर जायंट को 1-1 की बराबरी दिला दी। अटैकिंग थर्ड पर मिली फ्री-किक पर जैसन ने लगभग 35 गज की दूरी से करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोम्स अपने बायीं तरफ डाइव लगाने के बावजूद बचाव करने में विफल रहे।

पंचकूला में होगा पहला 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता

एजेंसी

नई दिल्ली। ।हरियाणा के पंचकूला में 24 मई को पहली बार नीरज चोपड़ा क्लासिक (एनसी क्लासिक) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता की पुष्टि की है। यह प्रतियोगिता वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड कैटेगरी इवेंट होगी, जो इसे विश्व चैंपियनशिप के लिए एक महत्वपूर्ण क्वालीफिकेशन स्पर्धा बना देगी। इस इवेंट में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रतियोगिता का आयोजन पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में किया जाएगा। वर्तमान विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा अपने 2025 सीजन की शुरुआत 16 मई को कतर में होने वाले दोहा डायमंड लीग से करेंगे। यह इवेंट नीरज चोपड़ा क्लासिक से ठीक एक सप्ताह पहले होगा। नीरज ने भारत में अपना पिछला इवेंट 2024 फेडरेशन कप में खेला था, जहां उन्होंने 82.27 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था।

हैदराबाद पर मिली जीत के बाद केकेआर के उपकप्तान वेंकटेश अय्यर ने कहा-सकारात्मक लेकिन सही इरादे दिखाना जरूरी

एजेंसी

कोलकाता। अय्यर ने मैच के बाद कहा, आक्रामकता का एक मूल लेकिन महत्वपूर्ण अर्थ है सकारात्मक लेकिन सही इरादा दिखाना, अगर हमारी टीम 50 पर 6 है और मैं तब भी हर गेंद को हिट करने जाऊं, तो वह भले ही सकारात्मक लगे, लेकिन सही नहीं है। स्मार्ट क्रिकेटर कहलाने के लिए ज़रूरी है कि हम स्थिति को समझें और फिर प्रतिक्रिया दें। अय्यर ने स्पष्ट किया कि केकेआर के लिए आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर बाउंड्री मारना नहीं है। आक्रामकता का अर्थ है परिस्थितियों को समझना और उन्हें अपने पक्ष में कैसे मोड़ा जाए, यह जानना।उन्होंने कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा बल्लेबाज़ अंकृष रघुवंशी की भी सराहना की, जिनकी सलाह ने उन्हें पिच को बेहतर ढंग से समझने में मदद की। रहाणे और अय्यर ने 51 गेंदों में 81 रनों की साझेदारी की, जिसमें रहाणे ने 38 रन बनाए और रघुवंशी ने अर्धशतक जमाया। अय्यर ने कहा, टाइमआउट के दौरान मुख्य बातचीत अजिंक्य और अंकृष द्वारा की गई। उन्होंने यह समझाया कि यह पिच इतनी आसान नहीं है कि आते ही हिटिंग शुरू कर दें। आपको थोड़ा समय लेना होगा।

केकेआर की बल्लेबाज़ी रणनीति में अय्यर और रिंकू सिंह ने आधार तैयार किया, जिसके बाद अंतिम ओवरों में आक्रमण की योजना थी। अय्यर ने कहा, मेरे पास यह लग्ज़री है कि हमारे पास रिंकू, रमनदीप और रसेल जैसे बल्लेबाज़ हैं। अगर मैं कुछ गेंदें लेता हूं, तो भी हम उसे कवर कर सकते हैं। हमारे पास एक इंजन रूम है जो किसी भी गेंदबाज़ी आक्रमण को ध्वस्त कर सकता है। एसआरएच की अत्यधिक आक्रामक बल्लेबाज़ी रणनीति पर बात करते हुए, जिसे केकेआर के गेंदबाज़ों - विशेषकर वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती (तीन-तीन विकेट) - ने धराशायी कर दिया, अय्यर ने कहा, एसआरएच के खिलाफ कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं लगता। जब कोई टीम बेहद आक्रामक होती है, तो उसके विकेट जल्दी गिरने का जोखिम भी अधिक होता है, और हमने इसी का फायदा उठाया। अंत में अय्यर ने भारतीय तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी की वापसी पर भी खुशी जताई। उन्होंने कहा, मेरे अंदर का क्रिकेट फैन बहुत खुश है कि शमी भाई फिर से पूरी रफ्तार में दौड़ रहे हैं। रणजी ट्रॉफी में उन्हें खेलना बेहद चुनौतीपूर्ण था, और टी20 में तो अगर गेंदबाज़ गलती करे, तो वह आसानी से बाउंड्री बन सकती है।

'पीकेएल लेवल अप': ओलंपिक पदक विजेता पीआर श्रीजेश ने प्रो कबड्डी खिलाड़ियों के लिए प्लेयर डेवलपमेंट वर्कशॉप का नेतृत्व किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आयोजक माशल स्पोर्ट्स ने खिलाड़ियों के समग्र विकास के उद्देश्य से 'पीकेएल लेवल अप' प्लेयर डेवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया। यह अनूठी पहल खिलाड़ियों को न केवल मैट पर बल्कि उससे बाहर भी सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। वर्कशॉप में खिलाड़ियों को सोशल मीडिया, मीडिया इंटरव्यू, मानसिक मजबूती और करियर प्रबंधन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गज शामिल हुए, जिनमें ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पी.आर. श्रीजेश, मेटा इंडिया की अल्पी चौधरी, प्रसिद्ध कंटेंट क्रिएटर दीपक पारीक, वर्ड्सवर्क कम्युनिकेशंस कंसल्टिंग की सीईओ नेहा माथुर रस्तोगी, और प्रसिद्ध स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. चैतन्या श्रीधर प्रमुख रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ जीवन में भी सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना था।

पी.आर. श्रीजेश ने साझा किए सफलता के मंत्र

पी.आर. श्रीजेश ने अपनी प्रेरणादायक बातें साझा करते हुए कहा, जब आप जीतते हैं, तो लोग

आपको याद रखते हैं, लेकिन असली सीख तब मिलती है जब आप हारते हैं। हार के बाद जो खिलाड़ी लगातार मेहनत करता है, वही अंततः सफल होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को सोशल मीडिया और सार्वजनिक जीवन में अपनी छवि को बेहतर बनाने की सलाह दी। जीवन केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं होता। आपका पारिवारिक जीवन, सोशल मीडिया पर आपकी प्रस्तुति, और आपके द्वारा प्रदर्शित मूल्य—ये सब आपकी पहचान का हिस्सा होते हैं। इसके अलावा, उन्होंने टीमवर्क पर जोर देते हुए कहा, टीम में एक खिलाड़ी की गलती पूरे दल को प्रभावित कर सकती है। इसलिए आपसी समझ बहुत महत्वपूर्ण होती है। मैदान पर प्रतिद्वंद्विता होती है, लेकिन मैच के बाद सम्मान और खेल भावना कायम रहनी चाहिए।

मानसिक मजबूती पर डॉ. चैतन्या श्रीधर के सुझाव

डॉ. चैतन्या श्रीधर, जिन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर में पहली महिला स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट के रूप में इतिहास रचा है, ने खिलाड़ियों को मानसिक मजबूती के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा, खेल करियर छोटा होता है, इसलिए खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत रहना बेहद जरूरी है। चोट से उबरने के दौरान या खराब प्रदर्शन के समय मानसिक तैयारी सफलता की कुंजी होती है।

मध्य प्रदेश में राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कारों की घोषणा

एजेंसी

भोपाल। राज्य शासन ने राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार वर्ष 2023 की घोषणा की है। राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार में 12 विक्रम, 11 एकलव्य, तीन विश्वामित्र और एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार शामिल हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पुरस्कार प्राप्त सभी को बधाई दी है। मंत्री सारंग ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2023 के राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार- विक्रम पुरस्कार, एकलव्य, विश्वामित्र पुरस्कार एवं लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्तियों को हार्दिक बधाई।''

पुरस्कार का विवरण-वर्ष 2023: खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल से जुड़ी हस्तियों को खेलों में किये गये उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये राज्य स्तरीय विक्रम, एकलव्य, विश्वामित्र एवं लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। पुरस्कारों की मूल भावना है कि यह पुरस्कार केवल शासन की ओर से नहीं, बल्कि समस्त जनता की ओर से प्रदेश में खेलों का विकास करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्ती को सम्मान के लिये दिया जाता है।

विक्रम पुरस्कार (12 पुरस्कार)

विक्रम पुरस्कार वर्ष 1972 से प्रदान किया जा रहा है। विक्रम पुरस्कार सीनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है। विक्रम पुरस्कार 12 सीनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है, जिसमें से ओलम्पिक, एशियन गेम्स एवं राष्ट्रीय खेलों में खेले जाने वाले खेल में 6 व्यक्तिगत श्रेणी में, 3 दलीय श्रेणी में, एक पुरस्कार दिव्यांग श्रेणी में एवं एक पुरस्कार परंपरागत खेल (ओलम्पिक, एशियन गेम्स एवं राष्ट्रीय खेल में नहीं खेले जाने वाले खेलों को छोड़कर) एवं एक पुरस्कार साहसिक खेल में दिया जाता है। विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किये जाने वाले खिलाड़ी को 2 लाख रुपये एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है। विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित कर शासकीय सेवा में नियुक्ति प्रदान की जाती है।

विक्रम पुरस्कार-2023

1. ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर - शूटिंग2. जाह्नवी श्रीवास्तव- क्याकिंग-केनोइंग3. रागिनी मार्को - तीरंदाजी4. शिवानी पवार - कुश्ती5. श्रुति यादव - बॉक्सिंग6. यामिनी मौर्य - जूडो7. सचिन भार्गो - खो-खो8. नीलू डांडिया - हॉकी9. प्रवीण कुमार दवे - सॉफ्टबॉल10. रूबिना फ्रांसिस - शूटिंग11. अपूर्व दुबे - पॉवर लिफ्टिंग12. भावना डेहरिया - माउंट एवरेस्ट

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा स्थापित करने के लिये छोटी उम्र से ही खेलों के प्रति एकाग्रता आवश्यक है। अतः इस ओर बालक-बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 1996 से जूनियर खिलाड़ियों के लिये, जिन्होंने प्रदेश के लिये अटूट विश्वास सतत् साधना कर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

दुबई में पहली बार बीकेएफसी: वर्ल्ड टाइटल फाइट्स और ग्लोबल स्टार्स के साथ ऐतिहासिक मुकाबले

एजेंसी

दुबई। वर्ल्ड लीग ऑफ फाइटर्स (डब्ल्यूएलएफ) और दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल ने बरे नक्कल फाइटिंग चैंपियनशिप (बीकेएफसी) को पहली बार दुबई में लाने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। दो अप्रैल को बुर्ज अल अरब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डब्ल्यूएलएफ के सह-संस्थापक राजेश बांगा और सुनील मैथ्यू, दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के निदेशक ईसा मोहम्मद शरीफ और बीकेएफसी के संस्थापक डेविड फेल्डमैन ने इस ऐतिहासिक आयोजन की जानकारी दी। बीकेएफसी की पहली अमीरात चैंपियनशिप 04 और 05 अप्रैल को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस स्टेडियम में होगी, जो इसे मध्य पूर्व में एक प्रमुख कॉम्बैट स्पोर्ट्स इवेंट बना देगी। राजेश बांगा और सुनील मैथ्यू ने कहा, इस आयोजन को दुबई लाने में हमें दो साल लगे। बीकेएफसी दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता कॉम्बैट स्पोर्ट बन गया है और अब दुबई इस खेल का सबसे बड़ा गंतव्य बनने जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन दिग्गज फाइटर्स की झलक मिली, जो इस टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे। 04 अप्रैल को वेल्टरवेट चैंपियनशिप में कार्लोस स्नेक ट्रिनीडाड और ऑस्टिन ट्राउट मुख्य मुकाबले में होंगे, जबकि महिला स्ट्रॉवेट चैंपियनशिप में ब्रिटेन हार्ट बनाम ताई एमरी का रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। 05 अप्रैल को टोमी स्ट्राइडम और काई स्टीवर्ट फेदरवेट टाइटल के लिए टकराएंगे, वहीं हैना रैंकिन और जेसिका बोर्गा महिलाओं की मुख्य फाइट में आमने-सामने होंगी।

भारतीय टेनिस स्टार क्रीश त्यागी जूनियर ग्रैंड स्लैम के लिए तैयार

एजेंसी

बेंगलुरु। भारत के नंबर एक जूनियर टेनिस खिलाड़ी क्रीश त्यागी के लिए यह साल बेहद अहम साबित हो सकता है। 17 वर्षीय यह युवा खिलाड़ी जूनियर और सीनियर सर्किट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है और अब वह जूनियर ग्रैंड स्लैम जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों की तैयारी में जुटा है। हाल ही में, त्यागी अपने घरेलू शहर बेंगलुरु में चल रहे एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन में खेले, जहां उन्हें पहले दौर में एसडी प्रज्वल देव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस हार से वह निराश नहीं हैं। मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए त्यागी ने कहा, घर पर खेलना हमेशा अच्छा लगता है, लेकिन मैं हाल ही में अहमदाबाद से लौटा हूं, जहां परिस्थितियां अलग थीं। यहां खेलते समय मुझे लगा कि गेंदें जल्दी आउट हो रही थीं। अहमदाबाद में ऐसा नहीं था, शायद ऊंचाई में बदलाव का असर पड़ा। इसके अलावा,

उन्होंने स्वीकार किया कि वह मैच की शुरुआत में लय नहीं पकड़ पाए। वह (प्रज्वल देव) बहुत अच्छे से शुरू हुए, लेकिन मैं खेल में खुद को नहीं ढाल पाया। मेरी शुरुआत धीमी रही और मैं थोड़ा असहज महसूस कर रहा था। इससे पहले, त्यागी ने अहमदाबाद में हुए आईटीएफ एम25 टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें चैंपियन आर्यन शाह से हार मिली। इस शानदार प्रदर्शन ने उनकी सीनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की काबिलियत को और मजबूत किया। सीनियर और जूनियर सर्किट के अंतर पर उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण पलों में सीनियर खिलाड़ी बहुत बेहतर खेलते हैं। वे सर्व और रिटर्न को अच्छे से संभालते हैं और जानते हैं कि किस समय कौन-सा शॉट खेलना है। बड़े मैचों में यही छोटे-छोटे पल अंतर पैदा करते हैं।

आने वाले दिनों में त्यागी का शेड्यूल बेहद व्यस्त रहेगा। वह मलेशिया में दो हफ्ते जूनियर टूर्नामेंट खेलेंगे, उसके बाद थाईलैंड में जेबी1 टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। फिर फ्रेंच ओपन जूनियर ग्रैंड स्लैम, विंबलडन और यूएस ओपन में खेलेंगे। इससे पहले, इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेल चुके त्यागी को लगता है कि अब वह जूनियर ग्रैंड स्लैम के लिए तैयार हैं। ग्रैंड स्लैम में खेलना मुश्किल होता है, लेकिन अन्य शीर्ष जूनियर टूर्नामेंटों से बहुत अलग नहीं है। कई बार मलेशिया के किसी टूर्नामेंट में जिन खिलाड़ियों का सामना होता है, वही खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम में भी मिलते हैं। इसलिए, अनुभव काम आता है।

एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन में कई भारतीय युवा टेनिस खिलाड़ी चमक बिखेर रहे हैं, जिनमें आर्यन शाह और करण सिंह भी शामिल हैं। भारतीय टेनिस के भविष्य पर बोलते हुए त्यागी ने कहा, हम सभी एक-दूसरे को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में टेनिस लगातार बेहतर हो रहा है और बतौर टॉप जूनियर खिलाड़ी मुझे वाइल्डकार्ड एंट्री मिलती है। टेनिस एसोसिएशन का समर्थन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। त्यागी को हराने वाले आर्यन शाह अब अगले दौर में प्रज्वल देव से भिड़ेंगे, जबकि करण सिंह का मुकाबला निकिता इयानिन से होगा।

राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटे यश यादव और स्पर्श सिंह का स्वागत

एजेंसी

मुरादाबाद। महानगर मुरादाबाद के दो होनहार जूडो खिलाड़ी यश यादव और स्पर्श सिंह द्वारा राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटने पर स्वागत अभिनन्दन किया गया। जिला जुडो संघ के सचिव सुहेल अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता 28 से 31 मार्च तक देहरादून में आयोजित हुई। आशियाना कॉलोनी निवासी यश यादव ने 100 किलो भार वर्ग में रजत पदक जीता। जबकि लाइनपार के प्रकाश नगर निवासी स्पर्श सिंह ने 60 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता है। सुहेल अहमद ने बताया कि दोनों खिलाड़ी लगातार राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में मुरादाबाद का नाम रोशन कर रहे हैं। पिछले आठ वर्षों से दोनों जूडो का अभ्यास कर रहे हैं।

युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप : फाइनल में जयपुर पिंक कब्स से भिड़ेगी युवा योद्धास

एजेंसी

हरिद्वार। युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में युवा योद्धास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वारियर्ज़ के.सी. को 15 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब उनका मुकाबला जयपुर पिंक कब्स से होगा, जो पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है।

हरिद्वार के वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में युवा योद्धाओं ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 6-0 की बढ़त बना ली। लगातार दो बार ऑल आउट करते हुए उन्होंने हाफ टाइम तक स्कोर 22-9 तक पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में उन्होंने अपनी पकड़ बनाए रखी और अंततः 39-21 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में शिवम सिंह ने 10 रेड अंक अर्जित किए और सर्वश्रेष्ठ रेडर रहे, जबकि रवि ने 7 टैकल अंक हासिल कर बेहतरीन डिफेंस दिखाया। जयपुर पिंक कब्स और युवा योद्धास टूर्नामेंट

में अब तक तीन बार आमने-सामने आ चुके हैं और हर बार जयपुर पिंक कब्स ने बाजी मारी है। पूल स्टेज में जयपुर पिंक कब्स ने 36-33 से करीबी जीत दर्ज की थी। इसके बाद हेड-टू-हेड राउंड में भी जयपुर पिंक कब्स ने 44-29 और 33-26 से जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। युवा योद्धास को प्लेऑफ के जरिए फाइनल में पहुंचने का मौका मिला, जहां उन्होंने पहले एलिमिनेटर में युवा मुंबा को 38-27 से हराया और फिर सेमीफाइनल में वारियर्ज़ के.सी. को शिकस्त दी।

आईपीएल 2025: कोलकाता ने हैदराबाद को 80 रन के विशाल अंतर से हराया

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 15वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने वेंकटेश अय्यर और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 80 रन से हराया है। ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में केकेआर ने पहले बल?लेबाजी करके 20 ओवर में 200 रन बनाए, जिसके जवाब में हैदराबाद की टीम 16.4 ओवर में 120 रन पर ऑलआउट हुई। आईपीएल इतिहास में रनों के लिहाज से हैदराबाद की यह सबसे बड़ी हार रही। 201 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज ट्रेविस हेड (4), अभिषेक शर्मा (2) और ईशान किशन (2) जल्दी-जल्दी आउट हो गए। मिडिल ऑर्डर से भी कोई बड़ी पारी खेलने में कामयाब नहीं रहा। नितीश रेड्डी (19), कमिंडु मेंडिस (27) और हेनरिच क्लासेन (33) ने छोटी पारियां खेली, लेकिन यह नाकाफी रही। इसके अलावा अनिकेत वर्मा (6) और कप्तान पैट कमिंस (14) ने भी निराश किया। 120 रन के स्कोर पर एसआरएच ऑलआउट हुई। केकेआर की तरफ से वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती ने तीन-तीन विकेट चटकाए। आंद्रे रसेल को दो सफलताएं मिली। हर्षित राणा और सुनील नरेन के खाते में एक-एक विकेट आया। इससे पहले, वेंकटेश अय्यर (60) और अंगरिक्ष रघुवंशी (50) की उम्दा पारियों के दम पर कोलकाता नाइटराइडर्स ने

निर्धारित 20 ओवर में 200 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स की शुरूआत बेहद खराब रही। 16 रन के स्कोर पर दोनों ओपनर्स सुनील नरेन (7) और क्विंटन डी कॉक (1) पवेलियन लौटे। कप्तान अजिंक्य रहाणे (38) और अंगरिक्ष रघुवंशी (50) ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी करके केकेआर को संभाला। जीशान अंसारी ने रहाणे को विकेटकीपर क्लासेन के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अंगरिक्ष रघुवंशी ने अपना अर्धशतक पूरा किया और कमिंडु मेंडिस की गेंद पर हर्षल पटेल को कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद वेंकटेश अय्यर (60) और रिंकू सिंह (32*) ने पांचवें विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। दोनों बल?लेबाजों ने चौकों की बौछार की और सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों की नाक में दम कर दिया। अय्यर ने कमिंस द्वारा किए पारी के 19वें ओवर में 21 रन बटोरे। अय्यर ने केवल 25 गेंदों में पचासा जड़ा। वह आखिरी ओवर में पटेल की गेंद पर अनिकेत को कैच थमाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने 29 गेंदों में 7 चौके और तीन छक्के की मदद से 60 रन बनाए। आखिरी गेंद पर आंद्रे रसेल (1) रन आउट हुए। जबकि रिंकू सिंह ने 17 गेंदों में चार चौके और एक छक?के की मदद से नाबाद 32 रन बनाए। एसआरएच की तरफ से मोहम्मद शमी, पैट कमिंस, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल और कमिंडु मेंडिस को एक-एक सफलता मिली।

अमि त्रिवेदी से लेकर

दिव्यांका त्रिपाठी

तक, कोई नहीं ले पाया 'दया बेन' की जगह, कुर्सी अब भी है खाली

सोनी सब टीवी का कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले डेढ़ दशक से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है. इस लंबे सफर के दौरान कई एक्टर्स ने इस शो को अलविदा कहा और उनकी जगह मेकर्स ने उनके किरदारों के लिए बड़ी ही आसानी से रिप्लेसमेंट भी ढूंढ लिया. लेकिन पिछले 6 सालों से वो 'दया बेन' के लिए रिप्लेसमेंट नहीं ढूंढ पाए. दरअसल एक्ट्रेस दिशा वकानी ने अपनी प्रेग्नेंसी के चलते इस शो से ब्रेक लिया था और तब से मेकर्स को नई दया बेन की तलाश है. कुछ दिन पहले एक्ट्रेस काजल पिसल की तरफ से कहा गया था कि वो दया बेन बन सकतीं हैं, लेकिन अब उन्होंने भी इस बयान से यूटर्न ले लिया है. सिर्फ काजल पिसल ही नहीं इन 6 सालों में कई एक्ट्रेस का नाम 'दया बेन' के किरदार के लिए सामने आया है, लेकिन अब तक इस किरदार की 'कुर्सी' खाली है.

एमी त्रिवेदी

दिशा वकानी के शो छोड़ने के बाद सबसे पहले टीवी एक्ट्रेस एमी त्रिवेदी का नाम उनकी रिप्लेसमेंट के तोर पर सामने आया था. कहा जा रहा था कि एमी, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की नई दया बेन बन सकती हैं. गुजराती थिएटर की स्ट्रांग बैकग्राउंड के चलते एमी की एक्टिंग भी शानदार थी. लेकिन फिर भी बात नहीं बन पाई.

राखी विजन

'हम पांच' की 'स्वीटी' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस राखी विजन का नाम भी कुछ साल पहले 'दया बेन' के किरदार के लिए सुर्खियों में आया था. उनकी ऑन स्क्रीन एनर्जी 'दया बेन' के ऑनस्क्रीन एनर्जी से पूरी तरह से मेल खा रही थी. लेकिन इन खबरों के बीच फिर एक बार मेकर्स दिशा वकानी के कमबैक का इंतजार करने लगे.

दिव्यांका त्रिपाठी

मेकर्स ने टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी को भी 'दया बेन' का किरदार ऑफर किया था. लेकिन दिव्यांका कोई ऐसा किरदार नहीं करना चाहती थीं, जो पहले से ही मशहूर हो और यही वजह है कि अच्छा ऑफर मिलने के बावजूद दिव्यांका ने तारक मेहता की 'नई दया बेन' बनने से इनकार कर दिया था.

ऐश्वर्या सखूजा

सूत्रों की मानें तो सीरियल 'सास बिना ससुराल' की 'टोस्टी' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखूजा ने भी 'दया बेन' के किरदार के लिए ऑडिशन दिया थी, लेकिन एक्ट्रेस और मेकर्स के बीच बात आगे नहीं बढ़ पाई.

ऐश्वर्या शर्मा

बिग बॉस फेम ऐश्वर्या शर्मा का 'दया बेन' की मिमिक्री वाला रील सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था. इस वीडियो के बाद ये दावा किया गया था कि ऐश्वर्या दिशा वकानी के किरदार को न्याय दे सकती हैं. लेकिन ये बात भी महज अफवाह साबित हुई.

औरंगजेब बनने से पहले, अजय देवगन की नाक में दम कर चुके हैं अक्षय खन्ना, छाप डाले थे 345 करोड़

हिंदी सिनेमा में बीते कुछ सालों में हीरो से ज्यादा विलेन का बोलबाला देखने को मिला है. बॉबी देओल और संजय दत्त ने जब से विलेन की गद्दी संभाली है, तभी से बड़े-बड़े सितारे भी नेगेटिव रोल प्ले करने का रिस्क उठा रहे हैं. 900 करोड़ी 'एनिमल' में बॉबी विलेन बनकर छा गए. संजय दत्त तो कई साल पहले ही विलेन की दुनिया में एंट्री ले चुके थे. इस साल जब अक्षय खन्ना ने औरंगजेब बनकर बॉक्स ऑफिस पर एंट्री की, तो वो भी हीरो से ज्यादा छा गए. 800 करोड़ की कमाई कर चुकी 'छावा' में विकी कौशल और रश्मिका मंदाना के काम को दबाने वाले अक्षय खन्ना पहले अजय देवगन की नाक में भी दम कर चुके हैं.अक्षय खन्ना का शुरुआती करियर कुछ खास नहीं रहा. उनकी पहली ही फिल्म फ्लॉप थी, उसके बाद भी उन्होंने कई फ्लॉप पिक्चरें थिएटर में रिलीज की. लेकिन अब पिछले कुछ साल में अक्षय खन्ना की किस्मत जाग उठी है. 'छावा' में औरंगजेब बनने से पहले भी उन्होंने 345 करोड़ी फिल्म में काम कर तारीफें बटोरी हैं. 'छावा' से पहले अक्षय खन्ना के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म कोई और नहीं बल्कि 'दृश्यम 2' हुआ करती थी.

अक्षय खन्ना की पहली सबसे बड़ी फिल्म

साल 2022 में सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम 2' थिएटर में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में अजय देवगन लीड रोल में थे और नेगेटिव रोल में तब्बू और अक्षय खन्ना नजर आए थे. अक्षय ने फिल्म में अजय देवगन को दिमाग के सारे घोड़े दौड़ाने पर मजबूर कर दिया था. फिल्म में अक्षय खन्ना ने आईजी तरुण अहलावत का किरदार निभाया था. उनके काम ने हर किसी को काफी इंप्रेस किया था. ये फिल्म साल 2022 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल हुई थी.

'छावा' ने तोड़ डाले सारे रिकॉर्ड

अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी 'दृश्यम 2' ने भारत में 240.54 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. वहीं वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने 345.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. 'छावा' से पहले ये फिल्म अक्षय खन्ना के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी. हालांकि 'छावा' में औरंगजेब बनने के बाद उनकी इस फिल्म का रिकर्ड टूट गया है. अब अक्षय खन्ना की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'छावा' बन चुकी है.

पवन सिंह की पत्नी ने सबके सामने मांगी माफी, किसके आगे ज्योति ने जोड़े हाथ?

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है. फैंस उन्हें प्यार से पावर स्टार बुलाते हैं. अपनी एक्टिंग के साथ ही पवन अपने फैंस के दिलों पर अपनी जादुई आवाज से भी राज करते हैं. पवन अक्सर ही अपनी फिल्मों और गानों को लेकर चर्चा में रहते हैं. वहीं उनकी पत्नी ज्योति सिंह भी सुर्खियों में रहने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं.पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह अपनी खूबसूरती से भोजपुरी अदाकाराओं को भी तगड़ी टक्कर देती हैं. वहीं वो सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं. अक्सर ही वो पोस्ट करती हैं. हाल ही में उन्होंने एक और पोस्ट शेयर किया है जो चर्चाओं में है. क्योंकि इसके जरिए उन्होंने हाथ जोड़कर माफी मांगी है. देखते हैं कि आखिर पवन सिंह की पत्नी ने किससे और क्यों माफी मांगी ?

पवन सिंह की पत्नी को मांगनी पड़ी माफी

पवन सिंह की पत्नी इस साल बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी पेश करने वाली हैं. वो इसके लिए कमर भी कस चुकी हैं. इसी बीच उनकी एक पोस्ट ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा है. इसमें ज्योति ने बताया कि वो फिलहाल बीमार हैं.

उनकी तबीयत ठीक नहीं है. ज्योति ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, माफी चाहूंगी आप सभी से विगत कई दिनों से तबीयत बिगड़ने के कारण मैं अपने काराकाट क्षेत्र से दूर रही हूं, इसका दुख मुझे भी रहा है. मैं बेशक बीमार हूं, लेकिन मेरा ध्यान अपने क्षेत्रवासियों की तरफ ही है. काफी दिनों से क्षेत्र में मेरी अनुपस्थिति रही है. उसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं.

ज्योति सिंह ने आगे लिखा, कल रात से मेरी तबीयत फिर से ज्यादा बिगड़ने के कारण मैं दिनांक 02.04.2025-03.04.2025 एवं आगे कुछ दिनों के निर्धारित कार्यक्रम में उपस्थित नही हो सकूंगी. उसके लिए मैं आप सभी अभिभावकों एवं युवा साथियों से माफी चाहूंगी. चैती नवरात्र एवं चैती छठ पूजा के अवसर पर मां दुर्गा एवं छठी मईया से आप सभी के सुखद जीवन की कामना करती हूं.

काराकाट क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी ज्योति

पवन सिंह की वाइफ ज्योति ने कुछ दिनों पहले ही ऐलान किया था कि वो बिहार विधानसभा का चुनाव काराकाट क्षेत्र से लड़ेंगी. साथ ही बताया था कि वो जल्द ही किसी पार्टी का दामन थामेंगी. ज्योति लगातार काराकाट में 'जन संकल्प यात्रा' निकाल रही हैं और लोगों के बीच पहुंच रही हैं. लेकिन इसके चलते वो बीमार हो चुकी हैं. जल्द ही ज्योति लोगों के बीच वापसी करेंगी.

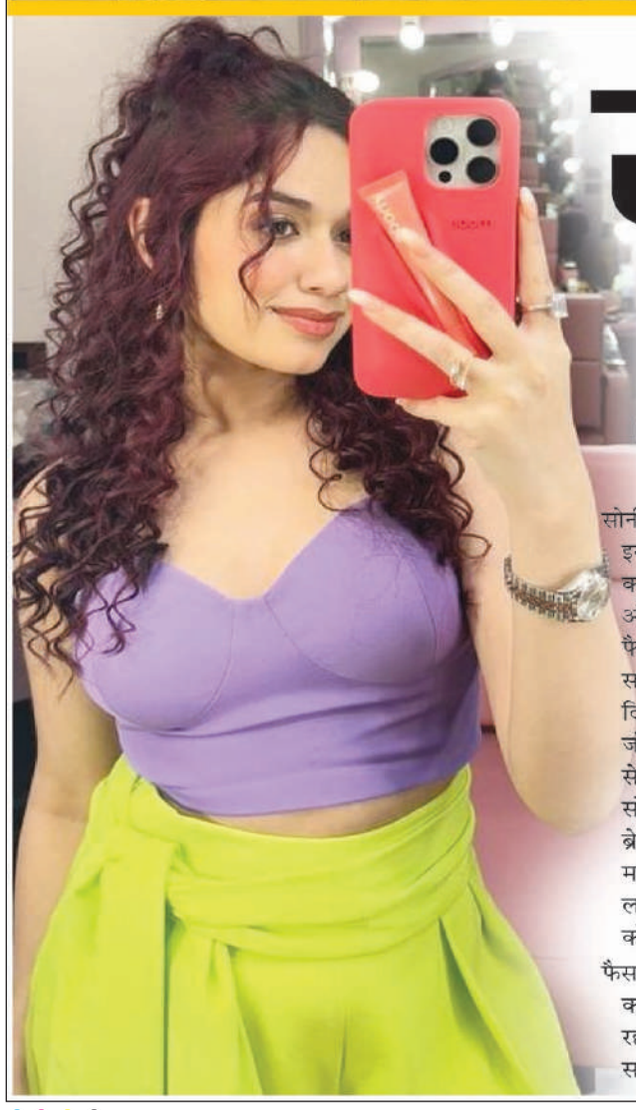

जन्नत जुबैर

से ब्रेकअप के बाद परेशान हैं फैजू? 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के सेट पर छलका दर्द

सोनी टीवी के 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के लेटेस्ट एपिसोड में, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैसल शेख यानी 'मिस्टर फैजू' काफी परेशान नजर आए. उनके कन्फ्यूज एक्सप्रेशन देखकर सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के जज रणवीर बरार और विकास खन्ना ने फैजू से उनकी परेशानी का कारण पूछा. जब उन्होंने फैजू से पूछा कि आप इतने परेशान क्यों दिख रहे हो ? तब जजों के इस सवाल का जवाब देते हुए फैजू ने कहा कि इन दिनों मेरी जिंदगी में कुछ ऐसी बातें हो रही हैं, जो मुझे बहुत परेशान कर रही हैं. मैं इसी वजह से थोड़ा डिस्टर्ब हूं.' दरअसल हाल ही में सोशल मीडिया पर जन्नत और फैसल के ब्रेकअप की खबरें वायरल हुई थीं, अब मास्टरशेफ में फैसल की बातें सुनने के बाद लग रहा है कि खुद फैसल ने अपने ब्रेक अप को कंफर्म कर दिया है.

फैसल की बात सुनने के बाद शेफ रणवीर बरार ने उनकी हौसलाअफजाई करते हुए कहा, जब आप इस किचन में आते हैं, तब बाहरी दुनिया बाहर ही रह जाती है. फिलहाल आप वर्तमान पर अपना ध्यान दें.रणवीर के साथ-साथ विकास खन्ना ने भी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के इस स्टार कंटेस्टेंट को समझाते हुए कहा कि आप दौड़ के अंतिम चरण में हैं और ऐसे समय आप इधर-उधर देख रहे हैं. आप पहले वाले फैजू नहीं हैं. तो रणवीर ने उनसे कहा कि आप हमेशा कहते हैं कि आप फिनिश लाइन से चूक जाते हैं. अब जब आप उसके करीब पहुंच रहे हो, तब खुद पर सवाल न उठाएं. अपना सर्वश्रेष्ठ दें और बाहर क्या हो रहा है, इसके बारे में न सोचें. जजों की ये हौसलाअफजाई फैजू के कितने काम आई, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

एक दूसरे को सोशल मीडिया पर किया अनफॉलो

जन्नत जुबैर और फैसल शेख के ब्रेकअप की चर्चा तब तेज हो गई जब जन्नत ने इंस्टाग्राम पर फैसल को अनफॉलो कर दिया. फैजू को अनफॉलो करने के बाद जन्नत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर किया था, जिसमें लिखा था कि जो है उसे मान लो, जो था उसे जाने दो, और जो होगा उस पर आप विश्वास रखो. सिर्फ जन्नत ही नहीं बल्कि उनके भाई अयान जुबैर और मां नाज़नीन ने भी फैसल को अनफॉलो कर दिया है. अब फैजू की बातों से जन्नत के साथ उनकी अनबन की अफवाहों को और बल मिल गया है.

समुद्र हमें विकास और राष्ट्रीय प्रगति से भी जोड़ता है : सोनोवाल

नई दिल्ली
बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने पूरे देश में 62वें राष्ट्रीय समुद्री दिवस को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया, जिसमें भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और राष्ट्र के विकास और वैश्विक संपर्क में नाविकों के असाधारण योगदान का सम्मान किया गया।
इस वर्ष का विषय था "समृद्ध समुद्र - विकसित भारत और नीली अर्थव्यवस्था तथा हरित विकास के लिए युवा", जो समुद्री क्षेत्र में सतत विकास के महत्व और नवाचार और पर्यावरण संरक्षण को आगे बढ़ाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ता है। शिपिंग महानिदेशालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय समुद्री दिवस समारोह समिति, दिल्ली चैप्टर ने आज नई दिल्ली के विनय मार्ग खेल मैदान में केंद्रीय समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल उपस्थित थे। इस अवसर पर सोनोवाल ने कहा, "राष्ट्रीय समुद्री दिवस पर, हम अपने नाविकों और समुद्री समुदाय की अटूट भावना का सम्मान करते हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाते हैं। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम अपने बंदरगाहों को मजबूत करना, तटीय शिपिंग को सशक्त बनाना और नवाचार को अपनाना जारी रखते हैं। हम भारत को वैश्विक समुद्री नेता बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। महासागर हमें न केवल व्यापार से जोड़ता है, बल्कि अवसर, विकास और राष्ट्रीय प्रगति से भी जोड़ता है।" कार्यक्रम के दौरान सोनोवाल ने जलपान सत्र के दौरान कैडेटों के साथ गर्मजोशी से बातचीत की और उनकी आकांक्षाओं और प्रशिक्षण के बारे में सार्थक बातचीत की। केंद्रीय मंत्री ने महिला कैडेटों से बातचीत की और उन्हें भारत के समुद्री परिदृश्य के भविष्य को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।
62वें राष्ट्रीय समुद्री दिवस ने न केवल भारत के समुद्री अग्रदूतों की विरासत का सम्मान किया, बल्कि एक हरित, अधिक समावेशी और नवाचार-संचालित समुद्री भविष्य के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। राष्ट्रीय समुद्री दिवस 'एस.एस. लॉयल्टी' की ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण करता है, जो पहला भारतीय स्वामित्व वाला स्टीमशिप था।

संकट के समय म्यांमार के लिए देवदूत बना भारत

भारत ने अपना फर्ज निभाया और म्यांमार में राहत समाग्री भेजकर हरसंभव मदद की

नई दिल्ली
म्यांमार में 7.7 की तीव्रता से आए भीषण भूकंप के चलते 3000 तीन हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई। साथ ही उससे कही ज्यादा लोगों को विस्थापित होना पड़ा। हालांकि इस आपदा के समय में एक अच्छे पड़ोसी होने के नाते भारत ने अपना फर्ज निभाया और म्यांमार में राहत समाग्री भेजकर हरसंभव मदद की। इतना ही नहीं इस आपदा के समय क्वाड के देश भी म्यांमार और थाईलैंड के साथ खड़े दिखे। भारत और अन्य क्वाड देश, जिनमें भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने 28 मार्च को म्यांमार में आए भूकंप के बाद म्यांमार और थाईलैंड के लोगों के साथ अपनी एकजुटता दिखाई है। इन देशों ने इस संकट के दौरान मानवीय सहायता के रूप में 20 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान किया है। इसके अलावा, ये देश आसियान और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर जीवन रक्षक सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय ने दी जानकारी
इस मामले में भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत, क्वाड भागीदारों के साथ म्यांमार और थाईलैंड के लोगों के साथ खड़ा है। म्यांमार के लिए हमारी द्विपक्षीय

सहायता के अलावा, हम 20 मिलियन डॉलर से अधिक की मानवीय सहायता प्रदान कर रहे हैं और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर सहायता पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

थाईलैंड यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने दी थी ब्रीफिंग
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड यात्रा के दौरान म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत की मदद की स्थिति को लेकर एक विशेष ब्रीफिंग दी।
इस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार के वरिष्ठ जनरल से कहा कि भारत जरूरत के समय पहले प्रतिक्रियादाता के रूप में म्यांमार के साथ खड़ा है और यदि जरूरत पड़ी तो और अधिक सहायता भी भेजने के लिए तैयार है।

आपदा प्रबंधन के लिए 1280 करोड़ रुपये की मंजूरी

नई दिल्ली
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति ने बिहार, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए 1280.35 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद को मंजूरी दी है। साल 2024 में इन राज्यों में आई बाढ़, बादल फटने, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान जैसी घटनाओं में मदद के लिए इस अतिरिक्त केंद्रीय मदद की मंजूरी दी गई है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कुल 1280.35 करोड़ रुपये में से बिहार के लिए 588.73 करोड़ रुपये, हिमाचल प्रदेश के लिए 136.22 करोड़ रुपये, तमिलनाडु के लिए 522.34 करोड़ रुपये और पुडुचेरी के लिए 33.06 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

आपदा प्रबंधन के लिए जारी राशि से अलग दी गई है ये मदद
यह सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और केंद्र शासित प्रदेश आपदा प्रतिक्रिया कोष (यूटीडीआरएफ) में जारी की गई धनराशि के अतिरिक्त दी गई है।
बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार बिहार, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

कांग्रेस ने ट्रंप की 'रेसिप्रोकल टैरिफ' की घोषणा को वैश्विक व्यापार के लिए खतरनाक करार दिया

नई दिल्ली
कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा की गई "रेसिप्रोकल टैरिफ" की घोषणा को वैश्विक व्यापार के लिए खतरनाक बताया है। पार्टी का कहना है कि यह देश और दुनिया के कारोबारी जगत के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है। इससे अमेरिका को भी नुकसान होगा। यह सोच गलत है कि वहां कोई निर्माण क्रांति आएगी।

कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री आनंद शर्मा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दो दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति ने "रेसिप्रोकल टैरिफ" की घोषणा की, जिससे पूरी दुनिया के व्यापार को चोट पहुंची है। 75 साल के बाद अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक फैसले ने बिखेर दिया है। जो हुआ है, वो देश औ? दुनिया के दृष्टिकोण से दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पिछले कई दशकों से दुनिया में निवेश के लिए सहमति बनी थी। शुल्क तथा व्यापार पर सामान्य समझौता (गैट) के अंतिम चरण के बाद विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की स्थापना हुई, जिसमें कुछ नियमों पर सहमति बनी थी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ, जिससे पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल बना हो। ये सिर्फ अर्थशास्त्र और व्यापार जगत तक सीमित नहीं है। देश इससे सीधे प्रभावित होते हैं, चाहे अमीर देश हों या गरीब देश हों। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा एकतरफा फैसला थोपना भारत औ? दुनिया के लिए बड़ी चुनौती है। "रेसिप्रोकल टैरिफ" शब्द का इस्तेमाल पहली बार किसी बड़े देश के राष्ट्रपति ने किया है। दुनिया के सभी देश अपनी आर्थिक और सामाजिक प्रगति के अलग अलग पायदान पर खड़े हैं। कुछ देश अमीर हैं, कोई इमर्जिंग इकोनॉमी कहलाता है, कुछ देश बहुत गरीब हैं और कुछ देश हैं, जिन्हें न्यूनतम विकसित देश (एलडीसी) कहा जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले ने एलडीसी को भी इसकी जद में ले लिया है। भारत पर भी "रेसिप्रोकल टैरिफ" का प्रभाव होगा, इस पर देश की क्या रणनीति है, उसकी अभी कोई जानकारी नहीं है। आनंद शर्मा ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत के कई बड़े समझौते हैं और बड़े ट्रेडिंग पार्टनर भी हैं। यह संकेत मिले हैं कि सरकार की ओर से द्विपक्षीय ट्रेड के लिए कुछ टर्म्स और रिफरेंस तैयार किए जा रहे हैं। वो क्या हैं और उसके मापदंड क्या हैं? इस पर देश को विश्वास में लेना चाहिए। बिना बताए ऐसे कोई निर्णय न हों, जिसकी कीमत लंबे समय तक देश चुकाता रहे। यह बेहतर होता कि हाल ही में खत्म हुए संसद सत्र के दौरान इस बारे में सदन में सरकार की ओर से बयान आता और चर्चा की जाती।

14 जिला कांग्रेस कमेटियों में संगठन मजबूती और आगामी रणनीति के लिए मासिक बैठकें हुई

दिव्य दिल्ली : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटियों में संगठन मजबूती और आगामी रणनीति के लिए आज मासिक बैठकें हुई कांग्रेस कार्यकर्ता हर बूथ पर संगठन को मजबूत बनाने की अहम भूमिका निभाता है, कांग्रेस संगठन मजबूत स्थिति में है। - देवेन्द्र यादव
नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 2025- दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र यादव ने जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन मजबूत स्थिति में है और कांग्रेस कार्यकर्ता हर बूथ पर संगठन को मजबूत बनाने की अहम

भूमिका निभाता है। प्रदेश अध्यक्ष श्री देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में आज दिल्ली के सभी 14 जिला में मासिक बैठक आयोजित की गईं, जिसमें 258 ब्लाक अध्यक्षों, पूर्व विधायकों, पूर्व मंत्रियों, जिला व ब्लाक पदाधिकारी, पूर्व निगम पार्षद, अग्रिम संगठन युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल और एनएसयूआई सहित सभी सेल एवं विभागों के चेयरमैन व पदाधिकरी भी जिला बैठकों में शामिल हुए।

प्रमोशन के लिए दिल्ली पहुंचे फिल्म 'अकाल: द अनकॉन्क्वेर्ड' के सितारे

दिव्या दिल्ली : वर्ष 2020 से लेकर 2022 तक कोविड की वजह से बॉलीवुड को काफी नुकसान हुआ, लेकिन 2023 में बॉलीवुड फिल्मों ने जो वापसी की, उसके तो सभी साक्षी बने। अब तो काफी सारी फिल्में न केवल बनने लगी हैं, बल्कि जोर–शोर से उनका प्रमोशन भी किया जाने लगा हे। इसी कड़ी में हाल ही में अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल, निमृत खैरा, निकितिन धीर और गुरप्रीत घुग्गी जैसे सितारे भी अपनी आनेवाली फिल्म 'अकाल : द अनकॉन्क्वेर्ड' के प्रमोशन के सिलसिले में दिल्ली आए।

प्रमोशनल कार्यक्रम नई दिल्ली के पंचतारा होटल ली मेरिडियन में आयोजित हुआ।जहां तक फिल्म 'अकाल : द अनकॉन्क्वेर्ड' की कहानी का सवाल है, तो यह 1840 के दशक में सेट एक एक्शन ड्रामा है, जिसमें पंजाब के योद्धा एक विशोधी सेना के खिलाफ खुद का बचाव करते हैं। फिल्म के बारे में बात गिप्पी ग्रेवाल ने बताया कि 'अकाल : द अनकॉन्क्वेर्ड' ऐसी कहानियों के बारे में एक फिल्म है, जो अब तक अनकही रही हैं और इनके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। जैसा कि नाम से ही ज्ञात होता है 'अकाल' का मतलब है कालातीत, यानी जिसे किसी भी काल में जीता नहीं जा सकता।' बता दें कि फिल्म 'अकाल : द अनकॉन्क्वेर्ड' का निर्माण करण जौहर (धर्मा प्रोडक्शंस) द्वारा किया गया है और यह 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी।

एमपी खंडेलवाल ने पियूष गोयल के बयान पर जेप्टो सीईओ की 'तर्कहीन प्रतिक्रिया' की आलोचना की

दिव्या दिल्ली : चांदनी चौक से सांसद और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने जेप्टो के सीईओ आदित पलीचा की केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के हाल ही में आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया को ह्लगलत और अतार्किकह्व बताया है।स्टार्टअप महाकुंभ के दौरान, मंत्री गोयल ने भारतीय स्टार्टअप्स से त्वरित वाणिज्य और सुविधा-आधारित अनुप्रयोगों से हटकर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को संबोधित करने वाले डीप-टेक नवाचारों की ओर बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत को उन स्टार्टअप्स से संतुष्ट होना चाहिए जो केवल खाद्य वितरण सेवाओं पर केंद्रित हैं, जबकि अन्य देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में आगे बढ़ रहे हैं। श्री खंडेलवाल ने श्री गोयल की चिंता की वाजिब बताते हुए कहा कि दुनिया भर के देशों में स्टार्ट अप्स टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में काफी काम कर रहे हैं और इस दृष्टि से भारत में भी यदि ऐसा होता है तो देश के विकास में ज्यादा बेहतर होगा जेप्टो के बिजनेस मॉडल का बचाव करते हुए, सीईओ आदित पलीचा ने कंपनी के योगदान को उजागर किया, जिसमें लगभग 1,50,000 नौकरियों का सृजन, ?1,000 करोड़ से अधिक का वार्षिक कर भुगतान, और $1 बिलियन से अधिक का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश शामिल है। सांसद खंडेलवाल ने पलीचा की प्रतिक्रिया को मंत्री गोयल के संदेश के मूल सार से भटकाने वाला बताया। उन्होंने कहा, नौकरियां सृजित करने और कर भुगतान का दावा करना, जबकि विदेशी पूंजी का उपयोग करके भारत के छोटे किराना स्टोर्स को नुकसान पहुंचाना, नवाचार नहीं है। यह दृष्टिकोण भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के अनुरूप नहीं है।ह्लखंडेलवाल ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स को भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व में योगदान देना चाहिए, न कि पारंपरिक व्यवसायों की कीमत पर अल्पकालिक व्यावसायिक लाभों का पीछा करना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्लनवाचार को केवल सुविधा नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए। हमें ऐसे स्टार्टअप्स की आवश्यकता है जो वास्तविक समस्याओं का समाधान करें और भारत के भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए बुनियादी तकनीकों का निर्माण करें।

असम में फिर से भगवा लहर: राभा हसोंग परिषद चुनाव में एनडीए की बड़ी जीत; कांग्रेस का हुआ बुरा हाल

गुवाहाटी
बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को असम के राभा हसोंग परिषद चुनाव में भारी जीत मिली, जिसमें उन्होंने 36 में से 33 सीटें जीतीं। असम राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित नतीजों के अनुसार, कांग्रेस को सिर्फ एक सीट पर ही जीत मिली। बीजेपी ने 6 सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी पार्टी राभा हसोंग जॉथो संग्राम समिति ने 27 सीटों पर जीत

दर्ज की और 2 निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी चुनाव जीतने में सफलता पाई। मुख्य कार्यकारी सदस्य टंकेश्वर राभा ने फिर से जीत दर्ज की, जिन्होंने नं-7 दक्षिण दुधनोई सीट से चुनाव लड़ा। राभा हसोंग जॉथो संग्राम समिति के उम्मीदवार टंकेश्वर राभा को 7164 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार संजीब कुमार राभा को 1593 वोट प्राप्त हुए।

मुख्यमंत्री ने दी प्रतिक्रिया
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर कहा, "असम में फिर से भगवा लहर! राभा हसोंग स्वायत्त परिषद के लोगों का हम दिल से धन्यवाद करते हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी नीतियों को समर्थन दिया।

आआपा विधायक अमानतुल्लाह खान ने वक्फ कानून में संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली
दिल्ली के आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायक अमानतुल्लाह खान ने वक्फ कानून में संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में कहा गया है कि वक्फ कानून में संशोधन कर मुस्लिमों के धार्मिक और सांस्कृतिक स्वायतता पर प्रहार किया गया है। याचिका में कहा गया है कि वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के धार्मिक और धर्मार्थ संस्थानों का प्रबंधन करने के अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कमजोर करता है। अमानतुल्लाह खान के पहले कांग्रेस पार्टी के सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस संशोधन को मुस्लिम समुदाय के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताते हुए याचिका दायर की है।

आज संकल्प बनाना चाहिए कि सतगुरु से रास्ता लेकर अंतर में राम के वास्तविक रूप का दर्शन करेंगे - बाबा उमाकान्त जी महाराज

दिव्या दिल्ली : उज्जैन परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने रामनवमी के दिन सतसंग सुनाते हुए भगवान राम के बारे में बताया कि भगवान राम को मयार्दा पुरुषोत्तम राम कहा गया। आज उनका जन्मदिन है। भगवान राम महापुरुष थे। लोगों के दुख को दूर करने के लिए भेजे गए थे। यह भारत भूमि ऐसी है कि यहां समय-समय पर महापुरुषों का पदार्पण होता रहता है। जब लोग दुखी होते हैं परेशान होते हैं और उस मालिक से सच्चे हृदय से प्रार्थना करते हैं तब वह दयानिधि, दीनबंधु, गरीब परवर जिसको कहा गया; वह किसी न किसी को भेजता है। त्रेता युग में इनका (राम का) पदार्पण (अवतार) हुआ था। उस समय पर रावण व राक्षसों का बड़ा प्रकोप था।

ऋषि-मुनियों को यज्ञ नहीं करने देते थे, धर्म नाम की चीज को ही खत्म कर देना चाहते थे। तब दुखी हो कर के लोगों ने प्रार्थना किया और तब मालिक ने इनको भेजा। राम के विद्या गुरु विश्वामित्र थे और आध्यात्मिक गुरु वशिष्ठ थे। विश्वामित्र उनको मांग करके यज्ञ की रक्षा के लिए ले गए थे, साढ़े बारह वर्ष तक अपने पास रखा। वहीं सारे ज्ञान से इनको परिपूर्ण कर दिया। वापस जब अयोध्या आए तो पिता के वचनों का मान रखते हुए उनके आदेश का पालन करते हुए चौदह वर्ष तक जंगल चले गए। आप सोचो कि कितना बड़ा त्याग किया उन्होंने और कितनी मयार्दा का पालन किया कि पिता के आदेश पर राजगद्दी पर ठोकर मार दिया। जंगल में जाने से पहले उनको मालूम था कि यह सब रावण के विनाश करने का कारण बन रहा है तब उन्होंने आवाज लगाई कि अयोध्या वासियों मेरा साथ दे दो, मैं धर्म की स्थापना के लिए जा रहा हूँ। लेकिन कोई भी ज्योतिषी, विद्वान, पढ़े-लिखे जो उस समय पर थे इनका साथ नहीं दिए। लेकिन उनको काम करना था तो बंदर और भालुओं को इकट्ठा किया और गुरु की शरण में रह कर के जो भी ज्ञान एवं सिद्धियाँ प्राप्त की थी वह सब उनमें (बंदर और भालुओं में) भर कर उनके द्वारा रावण का, राक्षसों का विनाश कर धर्म की स्थापना की। है। तब जीवात्मा को सारे देवी-देवता, उनके पुत्र जो ऋषि-मुनि के रूप में आए सब दिखाई पड़ते हैं। वहाँ भी यह साधना में लीन रहते हैं। अंतर में दर्शन सबका होता है इसलिए आप इसमें लगो जिससे अपना काम बने और फिर इस दुख के संसार (मृत्युलोक) में ना आना पड़े।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397